Ranchi • Tuesday, 04 February 2025 • Year : 03 • Issue : 22 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

बसंत पंचमी पर 2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी

सोमवार को बसंत पंचमी के दिन प्रयागराज महाकुंभ के तीसरे अमृत स्नान के लिए सुबह से ही देश-दुनिया के श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती की पवित्र त्रिवेणी संगम पर जुटने लगे और शाम 6 बजे तक 2.33 करोड़ लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि संगम घाट पर नागा साधु-संतों और आम श्रद्धालुओं के स्नान के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। हर किसी ने अमृत स्नान का अलौकिक आनंद लिया और चारों ओर 'हर-हर गंगे' का घोष सुनाई देता रहा।

- सुबह 4 बजे से ही गंगा, यमुना और सरस्वती की पवित्र त्रिवेणी के पास जुटने लगे श्रद्धालु
- नागा साधु-संतों और आम लोगों के स्नान के दौरान हेलीकॉप्टर से की गई पुष्पवर्षा
- अलौकिक आनंद के वातावरण में चारों ओर सुनाई देता रहा 'हर-हर गंगे' का घोष
- सभी 13 अखाड़ों के साधु-संतों ने दोपहर तक पूरा कर लिया था अमृत स्नान

SHARE

सेंसेक्स	:	77,186.74
निफ्टी	:	23,361.05

SARAFA

सोना	:	7,885
चांदी	:	107.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

शकील अहमद खान के बेटे ने किया सुसाइड

PATNA : बिहार कांग्रेस कांग्रेस विधायक दल के नेता विधायक शकील अहमद खान के बेटे अयान (18) ने पटना में सरकारी आवास में सुसाइड कर लिया। एफएसएल की टीम घटनास्थल पर तथ्य एकत्र कर रही है। सचिवालय डीएसपी ने आत्महत्या की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच जारी है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। विधायक शकील अहमद खान गर्दनीबाग में विधायक आवास में रहते हैं। वहीं पर बेटे ने पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या की। शकील अहमद खान के अयान इकलौते पुत्र थे। अब केवल उनको एक बेटी है। शकील खान फिलहाल बिहार से बाहर हैं। उन्हें बेटे की मौत की खबर दे दी गई है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों राहुल गांधी के बिहार दौरे पर शकील अहमद ने मंच पर ही बेटे को राहुल से मिलवाया था। बेटे ने राहुल गांधी को कुछ दस्तावेज सौंपे थे। शकील अहमद खान कटिहार जिले के कदवा विधानसभा सीट से विधायक हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में लिया भाग

आधुनिक क्रांति से चीन को देनी होगी मात : राहुल

NEW DELHI @ PTI : सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। कहा कि वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित कर और इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी आधुनिक युग की क्रांति में भाग लेकर चीन को मात दी जा सकती है। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मेक इन इंडिया' को लेकर प्रयास जरूर किया, लेकिन यह विचार विफल रहा, क्योंकि मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण) दर घट गई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि देश बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं कर पाया है और इस बारे में युवाओं कोई स्पष्ट जवाब देने में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) दोनों की सरकारें असफल रही हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में कुछ नया नहीं था और यह पिछले कुछ सालों की तरह ही था।

बेरोजगारी के सवालों का जवाब देने में यूपीए और एनडीए दोनों सरकारें असफल

पीएम ने 'मेक इन इंडिया' को लेकर प्रयास जरूर किया, मगर विफल रहा विचार

सदन में उपस्थित थे प्रधानमंत्री मोदी

राहुल गांधी जब अपनी राय रख रहे थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में उपस्थित थे। राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' की पहल की। यह अच्छा विचार था, प्रधानमंत्री ने प्रयास किया, लेकिन यह प्रयास विफल रहा। राहुल गांधी ने कहा, एक देश के रूप में हम विनिर्माण में विफल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि विनिर्माण का काम चीन की कंपनियों को दे दिया गया है। राहुल गांधी ने मोबाइल फोन दिखाते हुए कहा, ह्ययह मेड इन इंडिया नहीं, बल्कि असेंबल्ड इन इंडिया है।

'इंडिया' गठबंधन की सरकार होती तो नहीं होता ऐसा अभिभाषण

उनका कहना था कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की सरकार होती तो यह अभिभाषण इस तरह का नहीं होता। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं द्वारा तय होगा, इसलिए कुछ भी कहा जाए तो उसमें युवाओं पर जोर होना चाहिए था। राहुल गांधी ने कहा, हम बेरोजगारी की समस्या को सुलझा नहीं पाए हैं, न तो संप्रग सरकार बेरोजगारी को लेकर युवाओं को कोई स्पष्ट जवाब दे पाई और ना ही राजग सरकार कुछ कर पाई। मेरी इस बात से प्रधानमंत्री भी सहमत होंगे। उन्होंने परिवहन क्षेत्र से जुड़ी वर्तमान समय की क्रांति में भारत की अहम भूमिका पर जोर दिया।

अनुराग गुप्ता बनाए गए झारखंड के रेगुलर डीजीपी, नोटिफिकेशन जारी

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को राज्य के प्रभारी डीजीपी अनुराग गुप्ता रेगुलर रूप में डीजीपी के पद पर पदस्थापित कर दिए गए। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर लिया। इससे पहले रविवार की रात में सरकार ने अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद पर नियमित नियुक्ति करने की मंजूरी दे दी थी। उनकी नियुक्ति दो साल के लिए होगी। उनका कार्यकाल 26 जुलाई 2024 से दो साल के लिए होगा। वह 1990 बैठ के आईपीएस अधिकारी हैं।

2022 में डीजी रैंक में हुआ था प्रमोशन : बता दें कि साल 2022 में सरकार ने अनुराग गुप्ता को डीजी रैंक में प्रमोशन मिला था। प्रोन्नति मिलने के बाद वह डीजी ट्रेनिंग के पद पर पदस्थापित रहे। 26 जुलाई 2024 को सरकार ने उन्हें झारखंड का प्रभारी डीजीपी बनाया था। विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग ने उन्हें प्रभारी डीजीपी के पद से हटाने का आदेश जारी किया था। अजय कुमार सिंह को डीजीपी बनाया गया था। चुनाव का रिजल्ट आते ही शपथ लेने के बाद हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर 2024 को अनुराग गुप्ता को दोबारा झारखंड पुलिस का प्रभारी डीजीपी बनाया।

अभी सीआईडी डीजी और एसीबी डीजी का अतिरिक्त प्रभार भी है उनके पास

- 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं गुप्ता
- 26 जुलाई 2024 से 2 साल के लिए रहेगा कार्यकाल

नई नियुक्ति नियमावली लागू होने के बाद फैसला

अनुराग गुप्ता झारखंड पुलिस में कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। गढ़वा, गिरिडीह, हजारीबाग जैसे जिलों में एसपी और रांची के एसएसपी के पद पर रहते हुए उन्होंने कई उल्लेखनीय कार्य किए। एकीकृत बिहार में भी अनुराग गुप्ता ने बेहतर कार्य किए थे। डीआईजी बनने के बाद उन्होंने बोकारो रेंज के डीआईजी के पद पर लंबे समय तक काम किया। आईजी रैंक में प्रोन्नति मिलने के बाद वह झारखंड पुलिस मुख्यालय में आईजी प्रोविजन के पद पर रहे। दरअसल झारखंड में डीजीपी नियुक्ति को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। इसे दूर करने के लिए राज्य सरकार ने पुलिस महानिदेशक के चयन और नियुक्ति नियमावली-2024 बनाई। नियमावली को कैबिनेट ने मंजूरी दी। इसी नियमावली ने राज्य को स्थायी डीजीपी बनाने का रास्ता खोला। अब तक डीजीपी के चयन के लिए पहले संघ लोकसेवा आयोग को राज्य सरकार आईपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल भेजती थी, जिसमें से तीन नामों को स्वीकृत कर यूपीएससी उसे फिर राज्य सरकार को भेजता था।

चिंताजनक अब तक केवल सात देशों ने ही साझा किया है अपना टारगेट

जलवायु परिवर्तन से निपटने को गंभीर नहीं दिख रही दुनिया

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : पिछले कुछ सालों से जलवायु परिवर्तन की वजह से कुछ ऐसे संकेत मिल रहे हैं, जो भविष्य के लिए अत्यंत खतरनाक है। यह समस्या किसी एक देश की नहीं है, इसलिए दुनिया के सभी देशों को एकजुट रूप में इससे निपटना आवश्यकहै। इसी दृष्टि से पेरिस समझौता महत्वपूर्ण है। इस समझौते के अनुसार सभी देशों को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न हो रही समस्याओं से निपटने के लिए अपने देश में किए गए प्रयास की विस्तृत जानकारी देनी है। यह चिंताजनक है कि अब तक सिर्फ सात देशों ने ही इस पर गंभीरता से पहल की है। इसकी समय-सीमा 10 फरवरी 2025 है। इससे पता चलता है कि दुनिया जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए ठोस कदम नहीं उठा रही है। ब्राजील इस वर्ष के अंत में कॉप-30 की मेजबानी करेगा। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट (आईआईईडी) का कहना है कि यह स्थिति जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए राजनीतिक नेतृत्व की इच्छाशक्ति की कमी भी दशार्ती है।

हर पांच साल में जलवायु परिवर्तन से संबंधित अपडेटेड योजनाएं प्रस्तुत करना जरूरी

निर्धारित समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने में सभी देशों को बताना है अपना योगदान

आईआईईडी के अनुसार, समस्या को लेकर दिख रही राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी

टेंपरेचर कंट्रोल सबसे बड़ी आवश्यकता

पेरिस समझौता एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जिसका लक्ष्य वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयास करना है। यह समझौता विकसित देशों को विकासशील देशों को उनके जलवायु शमन और अनुकूलन प्रयासों में सहायता करने का मार्ग प्रदान करता है। देशों के जलवायु लक्ष्यों की पारदर्शी निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक रूपरेखा तैयार करता है।

- **विश्व व्यापी उत्पन्न होने वाले संकट को लेकर कारगर कदम उठाने की है सख्त जरूरत**
- **अमेरिका पहले ही कर चुका है पेरिस समझौते से पीछे हटने की मंशा की घोषणा**
- **औद्योगिक स्तरों से तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने की अपेक्षा**
- **पिछले कुछ वर्षों में क्लाइमेट चेंज के कारण बड़ी समस्याओं के मिल रहे संकेत**

तेजी से गर्म होता जा रहा वर्ल्ड

क्लाइमेट एक्सपर्ट कैमिला मोर के अनुसार, दुनिया तेजी से गर्म हो रही है, ऐसे में जल्द से जल्द साहसिक कदम उठाने की जरूरत है। इसके विपरीत यह निराशाजनक है कि अब तक केवल तीन फीसद देशों ने अपनी नई अपडेट जलवायु योजनाओं को साझा किया है। दुनिया अब और प्रतीक्षा नहीं कर सकती, क्योंकि पहले ही काफी देर हो चुकी है। जलवायु संकट पहले से दुनिया में आर्थिक तबाही मचा रहा है। ऐसी स्थिति में हर देश को गंभीर होना जरूरी है।

महाकुंभ में भगदड़ पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

NEW DELHI : सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गाइडलाइंस जारी करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस दलील पर संज्ञान लिया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर को कुंभ में भगदड़ की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। साथ ही याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा। दरअसल, कुंभ में भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दाखिल की थी। इसमें देशभर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश देने और नियमों का पालन कराने की मांग की गई थी। मौनी अमावस्या पर 28/29 जनवरी की रात करीब डेढ़ बजे संगम नोज पर भगदड़ मच गई थी।

दर्दनाक : ट्रेलर ने कार में पीछे से मारी टक्कर

रांची-टाटा रोड पर भीषण हादसा, दो लोगों की मौत

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रांची-टाटा मुख्य मार्ग पर भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह भीषण हादसा तमाड़ थाना क्षेत्र के रड़गांव के पास हुआ। मृतकों में जमशेदपुर के गोलमुरी निवासी 25 वर्षीय ऋतुराज कुमार और 20 वर्षीय जाह्नवी कुमारी शामिल हैं, जबकि ऋतुराज की बहन रोहिणी सिंह गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार, वैगनआर कार में सवार होकर तीनों जमशेदपुर से रांची में एक शादी समारोह में गए थे। सोमवार की सुबह तीनों कार से जमशेदपुर वापस लौट रहे थे, तभी रड़गांव के पास खड़ी एक ट्रेलर में कार ने पीछे से टक्कर मार दी।

- एक गंभीर रूप से जख्मी, मृतको में एक युवक और एक युवती
- रांची से जमशेदपुर लौटने के दौरान तमाड़ थाना क्षेत्र के रड़गांव के पास हुई दुर्घटना

BRIEF NEWS

खाटू श्याम मंदिर की कलश यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

RAMGARH : रामगढ़ शहर के नेहरू रोड में स्थापित खाटू श्याम मंदिर में श्री श्याम बाबा का ज्योत और शीश स्थापित किया गया। राजस्थान के खाटू दरबार से ले गए श्री श्याम बाबा के शीश और जोत को गाजे बाजे के साथ श्रद्धालुओं ने स्थापित किया। सत्यनारायण मंदिर से लेकर सैकड़ों भक्तों ने बाबा को जुलूस के साथ नेहरू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में प्रवेश करवाया। फूलों से सजी हुई गाड़ी में बाबा दर्शनार्थ रखे गए थे। भारतवर्ष के हर नदी से कोने-कोने से समुद्र से जल को मंगवाया गया है। बनारस के प्रकांड विद्वान पंडित बाबा की पूजा अर्चना करके स्थापना करेंगे। सोमवार को बाबा श्याम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर दामोदर नद स्थित मुक्तिधाम परिसर ,गांधी घाट से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। हजारों महिला, बच्चों और पुरुषों ने इस कलश यात्रा में भाग लिया।

छात्राओं ने धूमधाम से की मां सरस्वती की पूजा

LOHARDAGA : विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा क्षेत्र में शांतिपूर्ण और भक्तिमय माहौल में सोमवार को सम्पन्न हो गया। जिले के विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी विधालय से लेकर कोचिंग संस्थानों तथा विभिन्न गांवों में माता सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करके पूजा अर्चना किया गया। मंगलवार को माता सरस्वती की प्रतिमा का विभिन्न नदियों तथा तालाबों में विसर्जित की जायेगी। सरस्वती पूजा को लेकर क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सभी चौक - चौराहे तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया था। सरस्वती पूजा को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया।

प्रेस क्लब में हुई मां सरस्वती की पूजा-अर्चना

HAZARIBAG : जिले में सौहार्दपूर्ण वातावरण में विधि-विधान के साथ सोमवार को विद्या की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। पूजा पंडालों, शैक्षणिक संस्थाओं एवं घरों में वर दे वीणा वादनी वर दे.. से प्रार्थना की गई। मंत्रोच्चार के साथ संकल्प लेकर मां शारदे की पूजा की गई। इसी क्रम में हजारीबाग प्रेस क्लब में भी दूसरी बार मां सरस्वती की पूजा धूमधाम से मनायी गयी। पुजारी ओमप्रकाश मिश्रा एवं अजय मिश्रा ने विधि विधान से पूजा अर्चना करवाया, वहीं यजमान के रूप में हजारीबाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह,सचिव विस्मय अलंकार , पूजा कमेटी के अध्यक्ष दीपक सिंह,सदस्य भव्या कुमार सहित कई लोगों ने पूजा अर्चना की।

खूंटी में बाजार से लौट रहे युवक की धारदार हथियार से हत्या, जांच शुरू

सिलादोन और बगीचाटोली के मध्य खेत में हुई घटना, सुबह में मिला शव

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दबगना गांव निवासी 40 वर्षीय भीमसेंट नाग की अज्ञात हत्यारों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना रविवार रात सात से आठ बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है, लेकिन अभी तक हत्या के कारणों व हत्यारों का पता नहीं चल पाया है। एसपी अमन कुमार ने कहा कि हत्यारोपियों का पता लगाया जा रहा है। अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है।

इस संबंध में मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि रविवार की शाम पांच बजे उनका भाई भीमसेंट नाग डेली मार्केट, सिलादोन गया था। वहां से देर शाम वह एक

बुजुर्ग रूपा मुंडा के साथ बगीचाटोली, पट्टीबेड़ा होते हुए अपने घर दबगना लौट रहा था। चलते-चलते रूपा मुंडा आगे निकल गए और भीमसेंट पीछे रह गया। इसी बीच रात लगभग आठ बजे के बीच सिलादोन और बगीचाटोली के मध्य खेत में अज्ञात अपराधकर्मियों ने धारदार हथियार से काट-काटकर भीमसेंट की हत्या कर डाली।

मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि खेत में कई जगहों पर खून के धब्बे थे, जिससे ऐसा लगता है कि हत्यारों से भीमसेंट ने बचने की कोशिश की होगी, लेकिन उसे दौड़ा-दौड़ा कर मार दिया गया होगा।

बेटे के दोस्त ने की लूट की प्लानिंग, गिरफ्तार

PALAMU : पलामू प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र के तेनुडीह जंगल में लूटे गए सोने-चांदी गहने को आपस में बांटते चार लुटेरों को गिरफ्तार किया गया। लुटेरों के पास से 29 जनवरी को सोना व्यवसायी से लूटे गए सोना 389 ग्राम एवं चांदी के 266 ग्राम के गहने बरामद किए गए हैं। इस घटना को सोना व्यवसायी के बेटे के दोस्त ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। घटना की प्लानिंग भुक्तभोगी के घर पर ही रहकर की गई थी। लुटेरों में डालटनगंज के कुंड मुहल्ले के विशाल कुमार चौधरी भी शामिल था। अन्य लुटेरों की पहचान रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के यदुवंशी नगर के मनीष कुमार भुइयां उर्फ कुजूर एवं मिथुन कुमार महतो, रंका के अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। अभिषेक सोना व्यवसायी के बेटे के दोस्त था। गढवा के एसपी दीपक पांडे ने सोमवार को बताया कि 29 जनवरी को रंकाखुर्द मोड़ के पास अज्ञात तीन बाइक सवार अपराधियों ने चाकू का भय दिखाकर रंकाकला निवासी स्वर्ण व्यवसायी एस. कुमार सोनी की बाइक की डिक्की से सोने-चांदी के गहने लूट लिए थे।

मां की ममता शर्मसार एक दिन के नवजात को झाड़ियों में फेंका

KHUNTI : तपकारा थाना क्षेत्र में मां की ममता को शर्मसार करने वाला एक मामला सोमवार को प्रकाश में आया है, जहां एक मां ने अपने एक दिन के नवजात को तौलिये से लपेटकर झाड़ियों में फेंक दिया, जहां उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने पर तपकरा थाना के सहायक पुलिस निरीक्षक रमजानुक हक ने तपकरा-कोचा रोड में गोंडरा के पास एक झाड़ी से नवजात का शव बरामद किया। तपकरा थाना प्रभारी नितेश कुमार गुप्ता ने कहा कि संभवतः लोक लज्जा के भय से किसी महिला ने बच्चे को जन्म देने के बाद उसे झाड़ियों में फेंक दिया होगा। नवजात के शव का पोस्टमार्टम कराकर खूंटी शव गृह में रख दिया गया है।

इस मामले को लेकर आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि नवजात शिशु पड़ा मिला, जिसके सभी अगं पूरी तरह विकसित थे, जन्म भी पूरे समय में हुआ था।

सिरसी-ता-नाला तीर्थस्थल के रूप में होगा विकसित : मंत्री

कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री चमरा लिंडा व अन्य ● फोटोन न्यूज

AGENCY GUMLA : कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि धर्म, समाज को एकजुट करने की शक्ति प्रदान करता है। आदिवासी समाज सदियों से सूर्य, चंद्रमा, धरती, जल, जंगल और प्रकृति की पूजा करता आ रहा है और यही हमारी पहचान का मूल आधार है। उन्होंने घोषणा की कि सिरसी ता नाले क्षेत्र को आदिवासी तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जाएगा और इसे राष्ट्रीय स्तर पर कुंभ मेले की तरह मान्यता दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा सोमवार को गुमला जिले के डुमरी प्रखंड स्थित अकासी पंचायत में आयोजित सिरसी-ता-नाले (दोन) कंकड़ो लता राजकीय में समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि अब हर साल माघ पंचमी के अवसर पर इस स्थल पर भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। इस आयोजन को उन्होंने आदिवासी धर्म और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

नकली शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन

GIRIDIH : उत्पाद विभाग की टीम ने जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र के ढ़ाब गांव में छापेमारी कर नकली विदेशी शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री का खुलासा कर भारी मात्रा में नकली शराब बनाने के उपक्रम और 60 लीटर स्प्रीट जब्त किया है। बताया गया कि गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को उत्पाद विभाग की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से अवर निरीक्षक रवि रंजन कुमार के नेतृत्व में ढाब गांव के एक घर में छापेमारी की। इस दौरान काम कर रहे सभी मौके से फरार हो गये । छापेमारी टीम ने मिनी फैक्ट्री परिसर से नकली शराब बनाने में काम आने वाले दो हजार पीस खाली बोतल , हजारों पीस ढक्कन और हजारों ब्रांडेड शराब का लेबल जब्त की है। इस बाबत अवर निरीक्षक रवि रंजन ने बताया कि चिन्हित फरार कारोबारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

न्यूज चैनल के मालिक व संपादक रामगढ़ के व्यापारी का कर रहे थे भयादोहन, प्राथमिकी

PHOTON NEWS KHUNTI : झारखंड के न्यूज 11 न्यूज चैनल के मालिक और संपादक रामगढ़ के व्यापारी का भयादोहन कर रहे थे। यह आरोप लगाते हुए कोयला व्यवसायी मनोज अग्रवाल की पत्नी मीतू अग्रवाल ने वेस्ट बोकारो ओपी में न्यूज चैनल के मालिक और संपादक के खिलाफ प्राथमिकी 33/25 दर्ज कराई है। उन्होंने प्राथमिकी में कहा है कि उनके पति मनोज अग्रवाल ग्राम लइयो में प्लांट स्थापित किए हुए हैं। वर्तमान में हाई कोर्ट से 5000 टन कोयला रिलीज होने के बाद उसका उठाओ जारी है। न्यूज 11 के मालिक अरूप चटर्जी और संपादक अनुप कुमार के द्वारा उनके खिलाफ 29 जनवरी को झूठा समाचार प्रसारित किया गया, जिससे उनके पति मानसिक तौर पर काफी प्रताड़ित हुए हैं। चैनल

● वेस्ट बोकारो ओपी में मनोज अग्रवाल की पत्नी मीतू अग्रवाल ने दर्ज कराई शिकायत

के मालिक एवं रिपोर्टर द्वारा विभिन्न माध्यमों से मेरे पति के उपर दबाव बनाया जा रहा है कि मेरे पति उनलोगों की मांग को पूरा करें। फोन? पर संपर्क करने पर कहा गया कि बात कर लो तभी आपके लिए राहत होगा। बाद में मेरे पति के पास कॉल आया और बोला गया कि न्यूज 11 समाचार चैनल के मालिक द्वारा भेजा गया है। मेरे पति से उनलोगों ने बोला कि अरूप चटर्जी को फोन किये थे, उनका आदेश है कि फैक्ट्री चलाना चाहते हो तो 2 लाख रूपया प्रति महीना आपको देना पड़ेगा। इन सारी घटना क्रम के बाद से मेरे पति मानसिक अवसाद में चले गये है। कहीं ऐसा न हो कि आत्महत्या कर लें। मीतू अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि समाचार चैनल के मालिक अरूप चटर्जी का इस तरह कि गतिविधियों का अंजाम देने का एवं लोगों से जबरन डरा धमका कर षडयंत्र कर रंगदारी लेने का पुराना इतिहास रहा है। इस तरह के कृत के कारण अरूप चटर्जी पूर्व में जेल भी जा चुके है। एसपी अजय कुमार ने सोमवार को बताया कि मामला दर्ज किया गया है, जांच पड़ताल की जा रही है।

अफीम की खेती करते 3 गिरफ्तार, एक रंगदारी का फरार अभियुक्त भी धराया

सोयको व मुरहू थाने की पुलिस ने अलग-अलग गांवों में की कार्रवाई

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी जिले के सोयको और मुरहू थानों की पुलिस ने अलग-अलग गांवों से अफीम की खेती कर रही एक महिला समेत कुल तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसडीपीओ वरुण रजक ने पत्रकारों को बताया कि सोयको थाने की पुलिस ने अफीम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 2 फरवरी की सुबह पिड़ीहातू गांव के एक खेत से अफीम के खेत में काम कर रही महिला लखीमनी देवी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया, जबकि आंड़ीडीह गांव के खेत से मंगरा पाहन को गिरफ्तार किया गया। इनके खिलाफ सोयको थाने में एनडीपीएस एक्ट व बीएनएस के

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसडीपीओ वरुण रजक ● फोटोन न्यूज

रंगदारी के मामले में एक गिरफ्तार

इधर मुरहू थाने की पुलिस ने सोयको थाने के नामजद व फरार चल रहे अभियुक्त सलन हस्सा उर्फ छुरी को गिरफ्तार कर लिया है। सलन रूबुआ वीरडीह गांव का रहने वाला है। सलन पर खिस्टोफर से 20 हजार रुपये रंगदारी मांगने का आरोप है। इस मामले में पुलिस पूर्व में दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है।

तहत दो केस दर्ज किया गया है। वहीं मुरहू थाने की पुलिस ने 10 मार्च 2024 से फरार चल रहे मुरहू के मुरूदडीह गांव निवासी मार्टिन ओड़ेया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मार्टिन के खिलाफ मुरहू थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज है।

बंध्याकरण के बाद महिलाओं को दी गई गलत दवा की जांच शुरू

PALAMU : जिले के तरहसी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तरहसी में बंध्याकरण के बाद महिलाओं को दी गयी गलत दवा की जांच शुरू कर दी गयी है। सोमवार को जिले के सिविल सर्जन डा. अनिल कुमार जांच के लिए पीएचसी पहुंचे। उन्होंने डाक्टर के साथ साथ स्वास्थ्यकर्मियों से बात की। मौके पर सीएस ने कहा कि जिस एजेंसी के जरिये बंध्याकरण के बाद दवा दी गयी है, उससे बात की जायेगी। दवा का वाउचर मिलान किया जायेगा और देखा जायेगा कि एक्सपायरी कब हुई थी। एक्सपाइरी दवा क्यों दी गई। इंजेक्शन की बॉटल पर एक्सपायरी समेत अन्य जानकारी मिटाने के मामले की जांच के बाद कार्रवाई होगी। अवैध पैसे लेने के साक्ष्य मिलने पर एनजीओ का अनुबंध समाप्त किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 30 से अधिक महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया था। प्रत्येक मरीज से 250 रूपए की अवैध वसूली की गयी थी। मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य महकमा हरकत में आया।

अफीम की खेती की मुखबिरी के आरोप में पूर्व मुखिया और बेटी को ग्रामीणों ने पीटा

PHOTON NEWS KHUNTI : अफीम की खेती की मुखबिरी करने के आरोप में चार-पांच अज्ञात लोगों ने खूंटी सदर प्रखंड क्षेत्र के तिलमा पंचायत के पूर्व मुखिया जाटे मुंडा और उनकी बेटी पूनम नाग की पिटाई कर दी। घायल बाप-बेटी का इलाज नामकोम, रांची के विनायका अस्पताल में चल रहा है। इस संबंध में प्रमुख छोटराय मुंडा ने बताया कि जाटे मुंडा की बेटी पूनम नाग जो रांची के एक हॉस्टल में रहती है, को लेकर गांव लौट रहे थे। रास्ते में रोलीडीह गांव के भट्ठी के पास कुछ सामान खरीदने के लिए रूके। तभी वहां मौजूद चार-पांच लोगों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी, जिससे वे जमीन पर गिर पड़े। बताया गया कि उनकी बेटी के साथ भी मारपीट की गई है। घटना के बाद घायल

अस्पताल में इलाजरत पूर्व मुखिया ● फोटोन न्यूज

जाटे मुंडा को नामकोम के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूनम नाग ने कहा है कि उन लोगों को शक है कि उनके पिता जाटे मुंडा ही पुलिस को अफीम की खेती से जुड़ी जानकारी देता है और पुलिस अफीम की फसलों को नष्ट कर रही है। इसी शक पर उनके पिता की पिटाई की गई है। मामला पुलिस के संज्ञान में है, संभावना है कि इस संबंध में सोमवार को कांड दर्ज कर पुलिस कार्रवाई प्रारंभ कर देगी। दूसरी तरफ क्षेत्र में चर्चा यह है कि जाटे मुंडा और उनकी बेटी के साथ घटित हुई मारपीट की घटना एक गलत आपराधिक परंपरा की शुरूआत है। इससे गांव-घर में दुश्मनी बढ़ेगी और अपराध बढ़ेगा। इस पर प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर कार्रवाई करते हुए तत्काल रोक लगानी चाहिए।

अफीम की खेती के मुखबिर नहीं थे पूर्व मुखिया : एसपी

पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि तिलमा पंचायत के पूर्व मुखिया जाटे मुंडा अफीम की खेती मामले में पुलिस के मुखबिर नहीं हैं। यह जानकारी देते हुए एसपी अमन कुमार ने बताया कि पूर्व मुखिया के साथ रोलाडीह गांव के भट्ठी बाजार में हुई मारपीट की घटना के संबंध में जब पुलिस पूछताछ करने उनके गांव पहुंची, तो यह बातें सामने आई हैं। एसपी ने बताया कि वास्तव में पूर्व मुखिया जब रोलाडीह भट्ठी में रूके तो वे उन लोगों के साथ बैठे थे, जिनके द्वारा मारपीट की गई। दरअसल पूर्व मुखिया का किसी अन्य बातों को लेकर उनके साथ विवाद हो और मामला मारपीट तक पहुंच गया। बहरहाल मारपीट की घटना में पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

टाटानगर में शुरू होगा कवच लगाने का काम, मंत्री ने डीआरएम समेत अन्य अधिकारियों के साथ की वीडियो कांफ्रेंसिंग, बड़ी रेल परियोजनाओं पर चर्चा

झारखंड के 1693 किलोमीटर लंबे रेल ट्रैक में लगेगा कवच, नहीं टकराएंगी ट्रेनें

PHOTON NEWS JSR : रेलवे लाइन पर ट्रेनें आपस में नहीं टकराएं, इसके लिए देश की रेल लाइन पर कवच लगाया जा रहा है। यह ऐसी तकनीक है, जिससे इंजन को ट्रैक किया जाता है। इससे एक ही लाइन पर आ रही ट्रेनें नहीं टकरातीं। कवच को टक्कर रोधी उपकरण भी कहते हैं।

बजट में एलान किया गया है कि झारखंड में रेल लाइन पर कवच तकनीक लगाई जाएगी। झारखंड में 1,693 किलोमीटर रेलवे ट्रैक के लिए कवच तकनीक की स्थापना के लिए मंजूरी दी जा चुकी है।

टाटानगर समेत पूरे झारखंड में यहां रेल लाइन पर कवच लगाने का काम शुरू होगा। रेलवे ने बजट पेश होने के बाद देश के पूर्वी हिस्सों में रेलवे के कामों का ब्योरा जारी किया है। इसमें

वीडियो कांफ्रेंसिंग करते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ● फोटोन न्यूज

रेलवे के लिए भविष्य की दिशा

केंद्रीय बजट 2025-26 में रेलवे क्षेत्र के लिए किए गए इस एतिहासिक निवेश से भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ-साथ सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की उम्मीद है। इन निवेशों से न केवल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा में वृद्धि होगी, बल्कि रेलवे नेटवर्क का विस्तार भी होगा, जिससे देशभर में कनेक्टिविटी में सुधार आएगा। यह बजट भारतीय रेलवे के विकास के नए अध्याय की शुरूआत करेगा।

बताया गया है कि झारखंड में रेलवे के लिए इस बजट में 7,306 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। झारखंड में 10 वर्षों में 1,311 किलोमीटर नई रेलवे पटरियां बिछाई गई हैं।

राज्यवार बजट आवंटन की घोषणा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 3 फरवरी 2025 को भारतीय रेलवे के राज्यवार बजट आवंटन की जानकारी मीडियाकर्मियों को दी। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे के उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे। रेल मंत्री ने विभिन्न राज्यों में रेलवे के बुनियादी ढांचे के पुनरुद्धार के लिए राज्यवार आवंटन और निवेश की घोषणा की। इन घोषणाओं के तहत पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जहां रेलवे नेटवर्क में उल्लेखनीय सुधार किए जाएंगे।

झारखंड राज्य को इस बजट में 7,306 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो 2009-2014 के दौरान किए गए 457 करोड़ रुपये के आवंटन से 16 गुना अधिक है। झारखंड में 57

पश्चिम बंगाल के लिए 13,955 करोड़ रुपये का आवंटन

इस केंद्रीय बजट में पश्चिम बंगाल के लिए 13,955 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो 2009-2014 के दौरान किए गए 4,380 करोड़ रुपये के आवंटन से तीन गुना अधिक है। पश्चिम बंगाल में 101 स्टेशनों को 'अमृत स्टेशनों' के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है। इन स्टेशनों के पुनर्विकास के साथ-साथ विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लगभग 68,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में 9 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं और पिछले 10 वर्षों में 1,290 किलोमीटर नई रेलवे पटरियां बिछाई गई हैं।

ओडिशा के लिए 10,599 करोड़ का ऐतिहासिक आवंटन

ओडिशा को केंद्रीय बजट 2025-26 में 10,599 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो 2009-2014 के दौरान किए गए 838 करोड़ रुपये के आवंटन से 13 गुना अधिक है। राज्य में 59 स्टेशनों को अमृत स्टेशनों के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है। ओडिशा में 100% ब्रॉड-गेज नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है, और वर्तमान में राज्य में 6 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में 1,898 किलोमीटर रेलवे ट्रैक के लिए कवच तकनीक की स्थापना के लिए पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। ओडिशा में रेलवे संपर्क को और सुदृढ़ किया जाएगा।

भारत ट्रेनें चल रही हैं। राज्य में ब्रॉड-गेज नेटवर्क का 100% विद्युतीकरण पहले ही पूरा हो चुका है। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को संसद में केंद्रीय बजट 2025-26 पेश किया, जिसमें भारतीय रेलवे के लिए अभूतपूर्व निवेश का प्रस्ताव रखा गया है।

इस बजट के तहत भारतीय रेलवे के लिए 2.52 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का आवंटन किया गया है। इसके अलावा, रेलवे के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 4.60 लाख करोड़ रुपये और रेलवे की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 1.16 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह कदम भारतीय रेलवे के विकास को एक नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

वेस्ट बोकारो के 46 युवा आउटडोर लीडरशिप कैंप में हुए शामिल

RAMGARH : टाटा स्टील फाउंडेशन ने तुमुंग में तीन दिवसीय आउटडोर लीडरशिप कैंप का शुभारंभ किया। इस वर्ष कैंप के लिए वेस्ट बोकारो से 46 युवाओं का चयन किया गया। जहां उन्हें जागरूकता कार्यशालाओं, करियर काउंसलिंग और रोमांचक गतिविधियों जैसे क्लाइंबिंग, राफ्टिंग और बोटिंग का अनुभव मिला। कैंप का शुभारंभ टाटा स्टील, वेस्ट बोकारो डिवीजन के कैपेसिटी एन्हांसमेंट प्रोजेक्ट के चीफ राजेश कुमार ने किया। इस अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन, वेस्ट बोकारो के यूनिट लीड आदित्य कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं संगठन के सदस्य भी उपस्थित रहे। यह आउटडोर लीडरशिप कैंप प्रतिभागियों को उनकी रोजमर्रा की दिनचर्या से अलग हटकर खुद को तरोताजा करने के लिए आयोजित हुआ था। साथ ही नेतृत्व, विकास व नेटवर्किंग के महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित होने का अवसर देता है।

ज्ञान की देवी मां शारदे की आराधना में डूबी राजधानी, विद्यार्थियों में उत्साह

PHOTON NEWS RANCHI :

सोमवार को ज्ञान विज्ञान और कल की अधिष्ठात्री देवी मां शारदे की आराधना में राजधानी रांची डूबी रही। शहर के स्कूलों कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में भक्ति भाव से मां सरस्वती की पूजा की गई। विभिन्न गली-मोहल्लों में भी सुबह से विद्यार्थियों का उत्साह देखते बन रहा था। बच्चे नहा-धोकर मोहल्लों में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की तैयारी में जुट गए। पंडालों में आचार्य ने विधिवत पूजा अर्चना कराई। मां सरस्वती का फूल, ऋतुफलं, धूप और दीप दिखाकर पूजा की गई। पूजा में विद्यार्थी, शिक्षक, संगीतकार, कलाकार, लेखक-पत्रकार समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। विभिन्न स्थानों पर सरस्वती देवी की प्रतिमा को विशेष रूप से सजाया गया। मां सरस्वती के चरणों में फल-फूल अर्पित किए गए। प्रसाद स्वरूप सेब, केला, बेर, बुंदिया, नारियल, इलाइची दाना, बादाम, सूजी से बना हलुआ सहित दूध, घी, शहद और गंगाजल को मिलाकर बनाया गया पंचामृत मां को अर्पित किए गए।

शहर के स्कूलों-कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में की गई पूजा

फूलों और मालाओं से की गई थी सजावट

छोटे-छोटे पंडालों को विशेष रूप से सजाया गया था। जहां पर मां सरस्वती की प्रतिमाएं विराजमान की गई थीं। वहां फूल मालाएं और वृक्षों के पत्तों से स्टेज को संवारा-सजाया गया। पूजा पंडालों के मुख्य द्वार को फूल मालाओं और विद्युत लाइटों से सजाया गया। डीजे साउंड पर भक्ति गीत बजाए जा रहे थे। विद्या की लक्ष्मी मां सरस्वती की आराधना में विधार्थी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिए। विद्यार्थी अपनी पाठ्य पुस्तकें और लेखन सामग्री मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष रख कर पूजा किया। मां से ज्ञान और बुद्धि की कामना की गई। कई पंडालों में पूजा संपन्न होने के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।

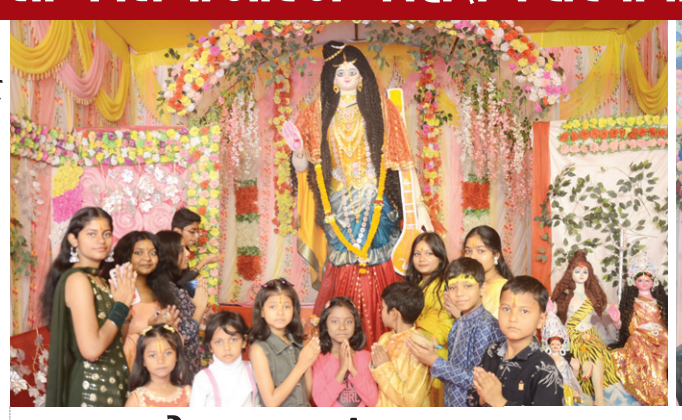

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

दूसरी ओर सरस्वती पूजा को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट पर रही। सरस्वती पूजा की सुरक्षा को लेकर जिलेभर में 400 अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। जवानों की तैनाती विसर्जन तक के लिए किया गया है। सरस्वती पूजा को लेकर सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि सरस्वती पूजा के को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। राजधानी में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है।

बाल युवक संघ ने की पूजा

सरस्वती पूजा को लेकर डोरंडा, हरमू, रातू रोड, कांके रोड समेत सभी इलाकों में तैयारी की गई थी। धुर्वा क्षेत्र में भी मां शारदे की हर्षोल्लास के साथ पूजा की गई। धुर्वा के सेक्टर 4 के ईसएसआई अस्पताल के पास बाल युवक संघ के सदस्यों ने मां सरस्वती के प्रतिमा की पूजा की। पूजा कार्यक्रम में अंकित तिवारी, चंदन सिंह, सन्नी सिंह, लक्की और यशवंत समेत कई युवा सदस्य शामिल हुए।

रिम्स में विवादों के बीच मनी सरस्वती पूजा

राज्य के सबसे बड़े हॉस्पिटल रिम्स में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई गई। इसका आयोजन 2023 बैच ने किया था। लेकिन, इस आयोजन से पहले कुछ विवाद भी हुए। यहां तक कि पूजा के आयोजन पर प्रबंधन ने रोक लगा दी थी। इसके बाद जूनियर डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री से गुहार लगाई। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने त्वरित एक्शन लिया और पूजा कराने का निर्देश दिया। इसके बाद प्रबंधन ने कुछ शर्तों के साथ पूजा करने की अनुमति दी। स्वास्थ्य मंत्री और गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद सोमवार को पूजा में शामिल हुए। वहीं डायरेक्टर के साथ रिम्स के प्रोफेसर भी पूजा में शामिल हुए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सुरक्षा को लेकर डायरेक्टर ने कुछ आदेश निकाला था। जिसे गलत तरीके से पेश किया गया। यहां पर हमारे बच्चे पढ़ते है। उनकी सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं किया जाएगा।

- कुछ दिन पहले मारपीट के कारण पूजा पर लगा दी गई थी रोक
- स्वास्थ्य मंत्री से गुहार लगाने के बाद मिली पूजा की अनुमति

देर रात तक लाउडस्पीकर बजाना मना

रिम्स प्रबंधन ने शर्तों के साथ सरस्वती पूजा आयोजन की अनुमति दी। आयोजन के लिए 10 शर्तें निर्धारित की गई। इनमें ईको-फ्रेंडली मूर्ति, लाउडस्पीकर के निर्धारित समय और प्रसाद सामग्री की जानकारी शामिल हैं। पूजा के दौरान जबरन चंदा वसूली पर रोक लगाई गई थी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा शराब और मादक पदार्थों का सेवन पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। शर्तों के उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

BRIEF NEWS

नहीं रहे रांची के प्रतिष्ठित समाजसेवी जनाब सलीम साहब उर्फ बाबू भाई

RANCHI : सोमवार को राजधानी रांची के कडरू निवासी जनाब सलीम साहब उर्फ बाबू भाई देहांत हो गया। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिवार वालों ने बताया कि सुबह उनकी छाती में अचानक तेज दर्द हुआ, जिसके बाद उन्हें गुरुनानक हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही आखिरी सांस ले ली। जनाब सलीम साहब के निधन पर रांची के कई गणमान्य लोग उनके आखिरी दीदार करने उनके कडरू स्थित घर पहुंचे। जनाब सलीम साहब रांची के प्रतिष्ठ समाजसेवी थे। इसके अलावा शहर के जाने माने बिल्डर भी थे। जनाब सलीम साहब एस एंड आर के मैनेजिंग डायरेक्टर थे। उनकी जनाजे की नमाज मंगलवार को सुबह 9:30 बजे मदरसा हुसैनिया कडरू में अदा की जाएगी। मिट्टी मंजिल डोरंडा कब्रिस्तान में सुबह 10 बजे दी जाएगी।

झारखंड में पिछले 10 वर्षों में रेलवे का बजट 16 गुना बढ़ा : रेल मंत्री

RANCHI : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में झारखंड में रेलवे का बजट 16 गुना बढ़ा है, जो 457 करोड़ रुपये से 7302 करोड़ रुपये हो गया है। वैष्णव सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए झारखंड में रेलवे के विकास पर जानकारी दे रहे थे। रेल मंत्री ने झारखंड में रेलवे के 100प्रतिशत इलेक्ट्रिफाइड होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे राज्य में रेल यातायात में सुधार होगा। डीआरएम जसमीत एस बिंद्रा ने बताया कि राज्य में नये ट्रैक बिछाने के लिए 34 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इन परियोजनाओं पर 56,694 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। रेलवे फ्लाईओवर और अंडर ब्रिज: 2014 से अबतक राज्य में 445 रेलवे फ्लाईओवर और अंडर ब्रिज बनाए गए हैं।

मोटर की चोरी, केस दर्ज

RANCHI : रातू थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित सिमलिया के सीआईडी कॉलोनी में मंदिर निर्माण के लिए किये गए बोरवेल से चोरों ने मोटर की चोरी कर ली। बोरिंग में करीब 90 फीट पाइप के साथ समरसेबल मोटर 27 जनवरी को लगाया गया था, जिसे अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। चोर मोटर के साथ 90 फीट पाइप भी ले गए। इस संबंध में सीआईडी कॉलोनी निवासी श्रीकांत दुबे और बिनोद कुमार गुप्ता ने थाने में सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पहल : राज्य में 1000 नए स्टार्टअप शुरू करने का बनाया गया है लक्ष्य

स्टार्टअप पॉलिसी को रफ्तार देने को हेमंत सरकार ने कसी कमर

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने पॉलिसी बनाई है। इसके तहत एक हजार नए स्टार्टअप शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। अब इस पॉलिसी के तहत युवा 4 फरवरी से आवेदन कर सकेंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए नई झारखंड स्टार्टअप नीति-2023 को मंजूरी दी थी। इस नीति के तहत राज्य सरकार नए स्टार्टअप विचारों के लिए आवेदन स्वीकार करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 7 दिसंबर 2023 को हुई कैबिनेट बैठक में नई झारखंड स्टार्टअप नीति 2023 को स्वीकृति दी गई थी। इस बैठक के बाद राज्य सरकार ने इस नीति को लागू करने के लिए उचित कदम उठाए और राज्य में एक सकारात्मक स्टार्टअप ईकोसिस्टम विकसित करने के लिए कई प्रावधान तय किए थे।

7 दिसंबर 2023 को हुई कैबिनेट मीटिंग में नई नीति को दी गई थी स्वीकृति

विकसित होगा अनुकूल स्टार्टअप ईकोसिस्टम

झारखंड सरकार ने नई नीति के तहत स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए विशेष कदम उठाए हैं। इसके लिए एक्सलेंस इन बिजनेस वेलफेयर एंड इनोवेशन लैब (एबीवीआईएल) नामक संस्था का गठन किया गया है। यह संस्था कंपनीज एक्ट-2013 के तहत सेक्शन 8 के तहत बनाई गई है। एबीवीआईएल का प्रमुख कार्य राज्य में स्टार्टअप का चयन करना, उन्हें बढ़ावा देना और नीति के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय और गैर-वित्तीय इंसेंटिव्स का कार्यान्वयन करना है। राज्य में सरकार ने 2016 में लागू पुरानी स्टार्टअप नीति को रद्द कर दिया है। राज्य की नई स्टार्टअप नीति 2023 को पांच साल के लिए लागू किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना है।

स्टार्टअप्स के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म

इस नीति के तहत झारखंड सरकार ने एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जिसका यूआरएल [http://abvil.jharkhand.gov.in] [http://abvil.jharkhand.gov.in] है। यह पोर्टल 4 फरवरी से एक्टिव होगा और इसके माध्यम से स्टार्टअप के लिए नए विचार (आईडिया) प्रस्तुत किए जा सकेंगे। एप्लिकेंट्स इस प्लेटफॉर्म पर अपने स्टार्टअप विचारों को सबमिट कर सकते हैं। इसके बाद स्टेट इवैल्यूएशन बोर्ड द्वारा स्टार्टअप्स का चयन करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

- आज से शुरू हो जाएगी आवेदन की प्रक्रिया
- 2028 तक पूरा करना है लक्ष्य
- रद्द की गई 2016 की पुरानी नीति

स्टार्टअप्स के लिए विशेष प्रोत्साहन

झारखंड सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि इस नई नीति के तहत राज्य में स्टार्टअप्स को एक अच्छा वातावरण मिले। इसमें विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन जैसे वित्तीय सहायता, टैक्स लाभ, प्रशिक्षण और सलाहकार सेवाओं के साथ-साथ नेटवर्किंग अवसर प्रदान किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य है कि इन प्रोत्साहनों के माध्यम से राज्य में अधिक से अधिक स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिले और वे अपने कारोबार को तेजी से बढ़ा सकें। नई स्टार्टअप नीति 2023 का प्रमुख उद्देश्य झारखंड को स्टार्टअप्स के लिए एक प्रमुख हब बनाना है। इसके तहत राज्य सरकार का लक्ष्य है कि 2028 तक राज्य में कम से कम 1,000 स्टार्टअप्स को विकसित किया जाए। साथ ही इस नीति के जरिए झारखंड को भारत के अग्रणी 10 स्टार्टअप राज्य में शामिल किया जाए। इस अवधि में राज्य में एक सशक्त और समृद्ध स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार किया जाएगा, जो निवेशकों और उद्यमियों के लिए आकर्षक साबित होगा।

छापेमारी कर पुलिस ने प्रतिबंधित दवाओं के साथ एक को दबोचा

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपी की जानकारी देते सिटी एसपी।

CRIME REPORTER RANCHI :

रांची में नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने सोमवार को एक और बड़ी कार्रवाई की है। सिटी एसपी के निर्देश पर और पुलिस उपाधीक्षक सदर के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम गठित की गई। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर तिरिल मोड़ कोकर स्थित तान्या मेडिकल हॉल (तान्या फार्मा) में छापामारी की, जहां एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान शैलेश कुमार कोकर के भाभानगर रोड नं 6 निवासी के रूप में की गई है। उसकी मेडिकल दुकान से तलाशी के दौरान प्रतिबंधित नशीली दवाइयां बरामद हुईं। इसके बाद आरोपी की निशानदेही पर उसके घर से भी नशीली दवाइयां बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी से 84 बोतल वनरेक्स सिरप, 1430 टैबलेट नाइट्रोसम 10 और 144 कैप्सूल विनस्पासमो टीएम फोर्ट बरामद किए।

- कोकर स्थित मेडिकल दुकान से जब्त की गई नशीली दवाएं
- आरोपी की निशानदेही पर उसके घर से भी बरामद हुईं कई मादक पदार्थ

खुशखबरी : नॉन स्टेट सिविल सर्विस के 6 अफसरों को मिली प्रोन्नति

रांची एसएसपी की पत्नी कंचन सिंह बनीं आईएएस

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड के छह नॉन स्टेट सिविल सर्विस के अधिकारियों के लिए खुशखबरी है। इनको भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत झारखंड कैडर में प्रोन्नति मिली है। केंद्र सरकार के कार्मिक मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है। साल 2023 की रिक्तियों के विरुद्ध इन सभी को प्रोन्नति मिली है। इनमें कंचन सिंह, धनंजय कुमार सिंह, सीता पुष्पा, बिजय कुमार सिन्हा, प्रीति रानी और राजेश प्रसाद के नाम शामिल हैं। आपको बता दें कि आईएएस कैडर में प्रोन्नति पाने वाली कंचन सिंह रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा की

पत्नी हैं। उन्होंने सीडीपीओ पद से सेवा की शुरूआत कर इस मुकाम को हासिल किया है। इस लिस्ट में शामिल बिजय कुमार सिन्हा इंजीनियरिंग सेवा से जुड़े रहे हैं। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद संबंधित अधिकारियों को बधाई देने का तांता लगा हुआ है। आपको बता दें कि इससे पहले जुलाई 2023 में पहली बार राज्य पुलिस सेवा के 24 पुलिस पदाधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नति मिली थी। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी को पिन और बैज लगाकर सम्मानित किया था। इस मौके पर आयोजित समारोह के दौरान तत्कालीन मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाते हुए कहा था कि आपको प्रोन्नति मिलने में थोड़ा विलंब जरूर हुआ, लेकिन यह भी समझना होगा कि 24 पुलिस पदाधिकारियों को एक साथ आईपीएस में प्रोन्नति देने वाला झारखंड देश का पहला राज्य होगा।

झारखंड में अभी पांच दिनों तक तापमान में नहीं होगा बदलाव

RANCHI : झारखंड में अब लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है। लोग अब रात में पंखे और एसी चलाकर सो रहे है। हालांकि अभी लोगों को सुबह और रात में ठंड लग रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। रांची का न्यूनतम तापमान 14 से 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। वहीं मंगलवार और बुधवार को राजधानी और आसपास के इलाकों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। वहीं पिछले 24 घंटे में रांची का न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से लगभग चार डिग्री अधिक है। वहीं अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक है।

अब्दुल मुत्तलिब सचिव और इबादत अंसारी चुने गए कोषाध्यक्ष

चुनाव : महताब आलम बने अंजुमन इस्लामिया बड़गाई कमिटी के अध्यक्ष

PHOTON NEWS RANCHI :

सोमवार को अंजुमन इस्लामिया कमिटी के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के तीन पदों के लिए मतदान की प्रक्रिया रांची के बड़गाईं बस्ती में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। मतदान इंतेजामिया और सदस्यों ने पूर्ण अनुशासन बनाए रखते हुए पारदर्शी माहौल में चुनाव प्रक्रिया का आयोजन किया। मतदान सुबह 08:00 बजे शुरू हुआ और शाम 03:45 बजे तक 1353 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के लिए दो मतदान केंद्र बनाए गए थे, जिनकी विशेष निगरानी मौलाना मंसूर आलम और हाफिज इमामुद्दीन ने की। सुबह से लेकर मतदान समाप्ति तक चुनाव संयोजक और इंतेजामिया के सदस्यों ने मुस्तैदी से अपनी भूमिका निभाई। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू हुई।

मतदान की प्रक्रिया शाम चार बजे शुरू हुई। तीनों पदों के लिए कुल 1353 मतदाताओं ने वोट डाले, जिसमें अध्यक्ष पद पर महताब आलम 940 मत पाकर विजयी हुए, जबकि शफीउल्लाह को 327, अब्दुल हलीम को 44 वहीं 42 मत अस्वीकार हुआ। सचिव पद पर अब्दुल मुत्तलिब 654 वोट लाकर विजय प्राप्त की, जबकि मोहसिन अख्तर को 636 वोट मिले नोटा में 26 वोट पड़े तथा 37 वोट अस्वीकृत कर दिया गया।

अलार्मिंग एनजीओ के सर्वे में आए चौंकाने वाले आंकड़े

रांची में कैंसर की चपेट में एक लाख में 20 महिलाएं

VIVEK SHARMA @ RANCHI :

राज्य में कैंसर मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। महिलाएं इसकी चपेट में अधिक हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि झारखंड की राजधानी रांची में एक लाख में लगभग 20 महिलाएं कैंसर से पीड़ित हैं। वहीं हर महीने हजारों महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मरीजों की पहचान कर तत्काल उनका इलाज किया जा सके। रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने बताया कि जब स्क्रीनिंग बढ़ेगी तो यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। हालांकि विभाग इसके लिए लगातार काम कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अलावा कई एनजीओ भी कैंसर को लेकर काम कर रहे है। इनके सर्वे में भी चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए है। जिसके तहत हर महीने लगभग 2957 महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा रही है। स्क्रीनिंग के बाद एक लाख की महिला आबादी में 20.91 महिलाएं कैंसर ग्रसित है। अब स्क्रीनिंग की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी है। जिससे ज्यादा मरीजों के सामने आने की उम्मीद है।

स्वास्थ्य विभाग लक्षणों की पहचान के लिए चला रहा जागरूकता कार्यक्रम

हर महीने कैंप लगाकर की जा रही लगभग 2900 महिलाओं की स्क्रीनिंग

सदर अस्पताल में लगेगी मैमोग्राफी मशीन

राजधानी के दूसरे सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल सदर में भी मैमोग्राफी मशीन लगाने की तैयारी है, जिससे कि इस हॉस्पिटल में ही ब्रेस्ट कैंसर पीड़ित महिलाओं का इलाज हो सकेगा। इससे पहले कैंसर मरीजों का इलाज सदर में शुरू किया जा चुका है। वहीं 70 बेड का ऑंकोलॉजी विंग भी चालू है। जहां पर लगातार कैंसर के मरीजों का इलाज चल रहा है। बता दें कि एनपी-एनसीपी के तहत की जा रही यह पहल भारत सरकार द्वारा कैंसर, तंबाकू और हृदय रोगों से संबंधित जागरूकता व रोकथाम के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का हिस्सा है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से कैंसर के मामलों को नियंत्रित करने और लोगों को इससे बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

आज लगाया जाएगा मेगा कैंप

4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस के अवसर सामान्य कैंसर के लिए एक वृहत रूप से स्क्रीनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन किया जाएगा, जो कि एनपी-एनसीपी के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इसका उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी करेंगे। राज्य में कैंसर के मामलों की रोकथाम और उपचार के लिए एक बड़ा कदम है। यह स्क्रीनिंग कार्यक्रम झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में आम जनता को कैंसर के प्रति जागरूक करने, उनकी प्रारंभिक जांच करने और समय पर उपचार के लिए मदद करने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से राज्य में कैंसर के मामलों में वृद्धि को रोकने में मदद मिलेगी। प्रारंभिक अवस्था में कैंसर की पहचान करने से इसका उपचार संभव है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सेवा के प्रति जागरूक करने और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रही है।

श्री-श्री शिव बारात समिति ने निकाली तिलकोत्सव शोभा यात्रा

RANCHI : सोमवार को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर श्री-श्री शिव बारात आयोजन समिति ने देवाधिदेव महादेव के तिलकोत्सव के लिए एक शानदार शोभायात्रा का आयोजन किया। यात्रा की शुरूआत हरि ओम मंदिर रातू रोड से हुई। शोभा यात्रा मेट्रो गली, कृष्णा नगर कॉलोनी होते हुए इंद्रपुरी शिव मंदिर पहुंची। इस यात्रा में भक्त बाजे-गाजे के साथ शामिल हुए। इंद्रपुरी शिव मंदिर पहुंचने पर तिलक में आए भक्तों का आतिशबाजी और फूलों से भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद मंदिर के पुरोहितों ने विधि विधान से शुभ मंत्रों के उच्चारण के साथ बाबा का तिलक और महा आरती का आयोजन किया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष रमेश सिंह, शैलेंद्र कुमार, सुनीता देवी, अशोक यादव सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।

कॉमर्स कॉन्सेप्ट कोचिंग सेंटर का खुला दूसरा ब्रांच

PHOTON NEWS RANCHI :

राजधानी ररांची के पिस्का मोड में कॉमर्स कॉन्सेप्ट कोचिंग सेंटर के दूसरे ब्रांच का उद्घाटन सरस्वती पूजा के शुभ मुहूर्त पर हुआ। उद्घाटन समारोह में क्राउन पब्लिक स्कूल के सचिव सीता राम साहू, डायरेक्टर संजय कुमार वर्मा और कॉमर्स कॉन्सेप्ट के डायरेक्टर सोनू कुजूर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारंभ किया। डायरेक्टर सोनू कुजूर ने कहा कि इस सेंटर में 10+2, सीए फाउंडेशन, बीकॉम, एमकॉम, बीबीए सहित कॉमर्स से संबंधित सभी कोर्स की पढ़ाई होगी। उन्होंने यह भी बताया कि यह कोचिंग शहर जाने वाले छात्रों के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित होगा, जहां कम

- डायरेक्टर सोनू कुजूर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया इसका उद्घाटन

खर्च में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। मौके पर सोनी कुजूर, सोनाली कुजूर, सुकांतो आचार्य समेत अन्य शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

समाचार सार

आज जमशेदपुर आएंगे राज्यपाल

JAMSHEDPUR : राज्यपाल सह विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार 4 फरवरी को जमशेदपुर आएंगे, जहां वे सिदगोड़ा स्थित जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के द्वितीय दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। वे 500 बेड के छात्रावास का भी उद्घाटन करेंगे। समारोह को लेकर यूनिवर्सिटी और जिला प्रशासन दोनों ने व्यापक तैयारी की है। डीसी अनन्य मित्तल व एसएसपी किशोर कौशल ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है। समारोह में कुल 32 छात्राओं को उनके विषयवार प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

अरका जैन में नर्सिंग छात्रों का स्वागत

JAMSHEDPUR : अरका जैन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नर्सिंग में सोमवार को बीएससी नर्सिंग के तृतीय बैच (सत्र 2024-2028) के विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स पार्टी हुई। रूबरू नामक कार्यक्रम में नए छात्रों को सीनियर छात्रों और शिक्षकों से परिचित कराया गया। छात्रों ने नृत्य, संगीत और हास्य नाटक भी प्रस्तुत किए। इसी क्रम में मिस और मिस्टर फ्रेशर प्रतियोगिता हुई। इस दौरान यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट के चेयरपर्सन डॉ. एस.एस रजी, डीन डॉ. ज्योतिर्मया साहू और स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल प्रो. जिनू एनी जोसेफ भी उपस्थित थीं।

36 बोतल शराब के साथ आरोपी पकड़ाया

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के आरपीएफ के फ्लाइंग स्क्वायड की टीम ने सोमवार को एक युवक को 36 बोतल विदेशी शराब के साथ टाटानगर रेलवे स्टेशन से पकड़ा। पकड़े गए युवक का नाम रंजय कुमार है, वह बिहार के लखीसराय जिले का रहने वाला है। पकड़ा गया आरोपी रंजय शराब को ट्रेन से बिहार ले जाने की फिराक में था। आरपीएफ ने आरोपी से पूछताछ की है। आरपीएफ की टीम यह पता लगा रही है कि वह पहले कितनी बार ट्रेन से शराब की तस्करी कर चुका है। आरपीएफ ने मामले की जानकारी जिला आबकारी विभाग को दी है, ताकि आगे की कार्रवाई हो सके।

बुजुर्गों ने गाए गीत, बटोरी तालियां

JAMSHEDPUR : आस्था संस्था ने सोमवार को गाता रहे मेरा दिल नामक कार्यक्रम किया, जिसमें 25 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। इसमें प्रथम अनीता रक्षित, द्वितीय सैयद अजीजुद्दीन व तृतीय नीलांबर चौधरी रहे। गायन प्रतियोगिता की निर्णायक मंडली में शहर के जाने-माने संगीतज्ञ बी कृष्णा राव, विप्लव मित्रा व कृष्णा सिन्हा थीं। स्वागत भाषण शत्रुघ्न सिंह व मंच संचालन अनिता सिंह और सूरज कुमार रे ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष शिवपूजन सिंह, विशिष्ट अतिथि तुलसी भवन के मानद महासचिव प्रसेनजित तिवारी, योग गुरु अंशु सरकार, समाजसेवी पूरबी घोष, समाजसेवी अमित कुमार, शमीम उल्फत, मधुकर आदि उपस्थित थे।

श्रीराम मंदिर की पांचवीं वर्षगांठ पर होगी रामकथा

JAMSHEDPUR : सूर्य मंदिर समिति के कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को सिदगोड़ा स्थित सूर्यधाम के प्रांगण में हुई। अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 21 फरवरी को होगा। 1 मार्च को महाप्रसाद वितरण के साथ महोत्सव संपन्न होगा। 21 फरवरी को दोपहर 3 बजे बारीडीह मंदिर सुगना कॉलोनी से सिदगोड़ा सूर्यधाम तक भव्य नगर भ्रमण सह शोभा यात्रा निकलेगी। 22 से 28 फरवरी तक लगातार सात दिन श्रीराम कथा होगी, जिसमें वृंदावन के आचार्य राजेंद्र जी महाराज शंख मैदान में दोपहर 3 बजे से संध्या 7.30 बजे तक श्रीरामचरित मानस की संगीतमय कथा प्रस्तुत करेंगे। राम कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से संध्या 7.30 बजे तक चलेगी।

शराब पीकर सड़क पर गिरे युवक की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा में दोस्तों के साथ पार्टी कर घर जाने के दौरान सड़क पर गिरने से मौत हो गई। बताया जाता है कि दोस्तों के साथ युवक अधिक शराब पी रखा था। जानकारी के अनुसार, चाईबासा सदर थाना अंतर्गत बड़ी बाजार ग्वाल टोली निवासी 26 वर्षीय प्रीतम कुमार ने रविवार को रात में अपने दोस्तों के साथ मिलकर काफी शराब पी ली थी। अधिक नशे में होने के कारण वह गांधी टोला रोड पर गिरकर बेहोश हो गया। उसे सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रीतम कुमार की मौत की खबर सुनते ही उसकी पत्नी खुशी कुमारी भी बेहोश हो गई। उसे भी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस संबंध में पुलिस ने बताया है कि अधिक शराब का सेवन करने से प्रीतम कुमार की मौत हुई है। बहरहाल पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

मेरीन ड्राइव पर देर रात सड़क दुर्घटना में हुई अपराधी की मौत

कार में सवार था कुख्यात रोहित मिश्रा, रात 1.30 बजे हुआ एक्सीडेंट

PHOTON NEWS JSR: शहर के कदमा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें कुख्यात अपराधी रोहित मिश्रा की मौत हो गई, जबकि उसका साथी बोल्टू गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना मेरीन ड्राइव के पास रात लगभग 1.30 बजे हुई।

जानकारी के अनुसार रोहित मिश्रा अपनी स्विफ्ट कार से मेरीन ड्राइव से होकर साकची की ओर जा रहा था। तभी उसकी कार कदमा में मेरीन ड्राइव की डिवाइडर से टकरा गई, जिससे कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में रोहित मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई। उसका साथी बोल्टू गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कार को उठाता क्रेन व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

कई हत्याकांडों में था आरोपी

रोहित मिश्रा कुख्यात अपराधी था, सुजय नंदी हत्याकांड, दीपक मुंडा हत्याकांड, मोनी दास हत्याकांड और जमशेदपुर के सोनारी इलाके में एक युवक की हत्या का नामजद आरोपी था। वह हाल ही में छह महीने पहले ही जमानत पर बाहर आया था। वह संतोष थापा गिरोह से जुड़ा हुआ था और इन गंभीर अपराधों में उसका नाम सामने आया था।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बोल्टू को अस्पताल भेजा। वहीं, चिकित्सकों ने रोहित मिश्रा को मृत घोषित कर दिया। यह हादसा इस क्षेत्र में अपराधियों की गतिविधियों को लेकर एक और गंभीर सवाल खड़ा करता है और पुलिस प्रशासन के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

सुंदरबन फेज-2 में लाखों का माल चोरी

JAMSHEDPUR : सुंदरबन फेज 2 स्थित संजीवनी फ्लैट नंबर 325 में चोरों ने रविवार रात को लाखों रुपये के ज्वेलर्स और कैश की चोरी कर ली। यह घटना उस समय हुई जब फ्लैट के मालिक, शहर की मशहूर गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. दरखशां अंजुम और उनके पति डॉ. शाहिद अनवर अपने पुराने फ्लैट में सोने चले गए थे। फ्लैट संख्या 325 में दोनों देर रात तक स्टडी कर रहे थे, लेकिन जब वे दूसरे फ्लैट में सोने के लिए गए, तब चोरों ने इस खाली फ्लैट का फायदा उठाया। फ्लैट के पीछे की दीवार से सोसाइटी में एंट्री करके चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने इस फ्लैट से ज्वेलर्स और कैश को चुराया और वहां से फरार हो गए। वहीं, फ्लैट संख्या 316 का ताला भी चोरों ने तोड़ा था, लेकिन वे यहां चोरी करने में असफल रहे। अगले दिन जब डॉक्टर दरखशां और डॉक्टर शाहिद अपने फ्लैट पर लौटे, तो उन्होंने देखा कि फ्लैट का ताला टूटा हुआ है और घर का सामान बिखरा हुआ था। इसके अलावा सभी ज्वेलर्स और कैश गायब थे।

बंद घर से ढाई लाख के आभूषण चोरी

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के नुआगांव में रविवार की देर रात एक बंद घर से 20 हजार नकद समेत लगभग ढाई लाख के सोने के आभूषण की चोरी हो गई। मामले की जानकारी मिलने पर घाटशिला थाना प्रभारी मधुसूदन दे दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। चोर को पकड़ने के लिए जमशेदपुर से डॉग स्कायॅड की टीम भी बुलाई गई थी, लेकिन कोई सुराग नही मिल सका। इस संबंध में पीड़ित पूर्व रेल कर्मी अशोक कार्जी ने बताया कि वह अपने घर में पिछले कई दिनों से रह रहे थे। रविवार की शाम उनकी पत्नी अंजली कार्जी की तबीयत अचानक खराब हो जाने के कारण अस्पताल लेकर गया था, जहां उन्हे रात भर भर्ती करना पड़ा। इस दौरान घर में चारों ओर से ताला बंद था। सोमवार की सुबह घर में आकर देखा तो घर का ताला टूटा था। दो अलमारी को तोड़कर उसमें रखे सोने की एक चेन, तीन सोने के टॉप्स, 2 सोने की अंगूठी समेत घर में रखे 20 हजार रुपये गायब थे।

बाइक ने मारी रिक्शा को टक्कर, दो घायल

GHATSILA : बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एनएच-18 पर सोमवार को झरिया मोड़ के समीप बाइक चालक ने रिक्शा ट्रॉली चालक को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों बुरी तरह घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। बंगाल के तालगांव निवासी बाइक चालक सुशील मुंडा की स्थिति ठीक है, जबकि रिक्शा चालक सुरेश बेरा की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पीआरएम मेडिकल कॉलेज बारीपदा, ओडिशा रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार रिक्शा चालक प्लास्टिक तथा शीशे की खाली बोतल लादकर आ रहा था।

रामचंद्रपुर सबर बस्ती पहुंचा झामुमो का प्रतिनिधिमंडल

'द फोटोन न्यूज' में 31 जनवरी को प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी खबर

PHOTON NEWS GHATSILA : द फोटोन न्यूज में 31 जनवरी को एक खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी, जिसमें बताया गया था कि बेटियों व गांव की महिलाओं ने एक पुरुष के शव को कंधा देकर अंतिम यात्रा निकाली थी। इसका असर सोमवार को दिखा, जब शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निर्देश पर झामुमो का प्रतिनिधिमंडल कालचित्ती पंचायत के रामचंद्रपुर गांव पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में शामिल विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा कि पिछले 29 जनवरी को जुंआ सबर की मौत के पश्चात गांव का नाम सुर्खियों में आया है। उन्होंने कहा कि जांच में पाया कि इस बस्ती के 19 युवा राज्य के बाहर तमिलनाडु में मजदूरी-नौकरी करने गए हैं। गहन जांच में पता चला कि गांव के 18 से 40 वर्ष के पुरुष बाहर नौकरी करते हैं। गांव में एक भी युवक नहीं है। जो हैं भी, वे बीमार हैं या शारीरिक रूप से कमजोर हैं। उन्होंने बताया कि जुआं सबर को जंगली सूअर ने पैर में काट लिया था। इसके कारण वह अपाहिज हो गया था इसके बाद उसकी मौत हो गई। बस्ती के कुछ बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। इसकी संपूर्ण जांच रिपोर्ट मंत्री रामदास सोरेन को दी जाएगी। इसके बाद आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में अंपा हेंब्रम, मो. जलील, बाबूलाल मुर्मू, सब्यसाची चौधरी, गालूराम टुडू दीपक कालिंदी आदि भी शामिल थे।

पीड़ित परिवार के घर पहुंचे झामुमो कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

कार ने मारी ट्रक को टक्कर बाल-बाल बचे श्रद्धालु

BAHRAGORA : बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एनएच-18 पर सोमवार को झरिया मोड़ के समीप एक कार ने ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में बैठे लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने त्वरित पहल करते हुए स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी की स्थिति सामान्य रहने के कारण अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार, सभी लोग प्रयागराज से जगन्नाथ पुरी दर्शन करने जा रहे थे।

ठेकेदार विक्रम अग्रवाल के घर लाखों की चोरी

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर शहर में भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में रहने वाले ठेकेदार विक्रम अग्रवाल के घर लाखों की चोरी हो गई। चोर नकद 80 हजार रुपये सहित 40 पीस चांदी के सिक्के ही नहीं, घर के बाहर रखी बाइक भी ले गए। जानकारी के मुताबिक चक्रधरपुर शहर के सरफराज क्वार्टर क्षेत्र निवासी विक्रम रोज की तरह रविवार रात को घर के बाहर बाइक रखकर सोने चले गए। उनके बगल में चाचा का मकान बन रहा है। निर्माणधीन मकान के पिलर में लगी छड़ के सहारे चोर रात करीब 1.30 बजे छत पर चढ़े और सीढ़ी के रास्ते घर में घुस गए। उन्होंने घर में रखी अलमारी और ऑफिस को खोला। अलमारी से 80 हजार रुपये और चांदी के 40 सिक्के ले गए। विक्रम को इसका पता तब चला, जब वे रात में बच्चे को बाथरूम ले जा रहे थे। देखा कि दोनों दरवाजे खुले हैं। मेन गेट भी खुला है। इससे उन्हें चोरी की बात समझ में आ गई। सोमवार की सुबह विक्रम ने घटना की लिखित शिकायत चक्रधरपुर थाना में दर्ज कराई। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। बाइक ले जाते समय सीसीटीवी में दो चोर कैद हो गए हैं।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे चोर

सरस्वती पूजा का प्रसाद बनाने में 3 युवक झुलसे

अस्पताल में इलाजरत युवक ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : सरस्वती पूजा के दौरान चक्रधरपुर शहर की पुरानी बस्ती स्थित ज्ञानदीप कोचिंग सेंटर में प्रसाद बनाने के दौरान तीन युवक झुलस गए। घटना के बाद तीनों को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती किया गया। जानकारी के मुताबिक, कोचिंग सेंटर द्वारा सोमवार को सरस्वती पूजा का विसर्जन जुलूस निकाला गया। इससे पहले छात्र-छात्राएं मिलकर प्रसाद के रूप में (खिचड़ी) बना रहे थे। इस दौरान पूड़ी छानने के लिए कड़ाही में डाला गया तेल ज्यादा गर्म हो गया, जिससे तेल में आग लग गई। आग की लपटों पर काबू पाने के लिए युवकों ने पानी छिड़का, जिससे फैल गई। इसकी चपेट में आकर पुरानी बस्ती निवासी किशन नायक, वष्टमपोदा गांव निवासी अनिल महतो व एक अन्य युवक घायल हो गए।

चापाकल मरम्मत के लिए टोल फ्री नंबर जारी

● जिलेवासी टोल फ्री नंबर पर कॉल कर पेयजल संबंधी शिकायत दर्ज कराएं : उपायुक्त

JAMSHEDPUR : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा पेयजल स्रोतों की मरम्मत के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। टोल फ्री नंबर 1800-3456-502 या 94701-76901 पर कॉल कर आम नागरिक चापाकल मरम्मती समेत लघु जलापूर्ति योजना, वृहद जलापूर्ति योजना, जल गुणवत्ता व स्वच्छता से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्रातः 8 बजे से संध्या 8 बजे तक इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने जिलेवासियों से पेयजल संबंधी समस्या के लिए टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है, ताकि पेयजल स्रोतों की आवश्यक मरम्मत की जा सके।

सीबीएसई : 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी

15 से परीक्षा शुरू होगी, जमशेदपुर के करीब 11 हजार छात्र होंगे शामिल

PHOTON NEWS JSR : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षा एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। सभी स्कूलों को एडमिट कार्ड ऑनलाइन भेजे गए हैं। स्कूलों की ओर से बताया कि विद्यार्थियों को अपने अभिभावकों को साथ लाना होगा, तभी मिलान कर स्कूल द्वारा हस्ताक्षर होंगे और मुहर भी लगेगी। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए स्कूल के प्राचार्यों को यूजर आईडी और पासवर्ड दिए गए हैं। प्रवेशपत्र पर स्कूल के प्राचार्य के डिजिटल हस्ताक्षर होंगे। इसमें परीक्षा से संबंधित सभी दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से शुरू हो रही है। बोर्ड द्वारा सैंपल पेपर पहले ही जारी कर दिया गया है। इसके अलावा क्वेश्चन बैंक और सीबीएसई 10वीं, 12वीं क्लास की मार्किंग स्कीम भी जारी की गई है। 10वीं में 1.35 लाख व 12वीं में 58 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। जमशेदपुर में इस बार सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में करीब 11 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड ने सभी जिलों में परीक्षा केंद्रों का निर्धारण कर दिया है। परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में की जाएगी और इससे संबंधित नियमित रिपोर्ट परीक्षा केंद्र बनाए गए स्कूलों को भेजनी होगी। वहीं परीक्षा का औचक निरीक्षण करने के लिए जिला स्तर पर बोर्ड ने उड़नदस्ता बनाने का निर्णय लिया है, ताकि परीक्षा में किसी भी प्रकार का कदाचार रोका जा सके। बोर्ड परीक्षा के दौरान केंद्र के अंदर वीक्षक भी मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे।

प्राचार्य से करा सकते त्रुटि सुधार

सीबीएसई बोर्ड एडमिट कार्ड के बिना परीक्षा केंद्र में एंट्री नहीं दी जाएगी। इसलिए बोर्ड ने सभी स्टूडेंट्स को सलाह दी है कि इसे जल्द से जल्द कलेक्ट कर लें। सीबीएसई बोर्ड एडमिट कार्ड 2025 में कैंडिडेट का नाम, रोल नंबर, परीक्षा केंद्र की जानकारी, सबजेक्ट वाइज एग्जाम डेट, परीक्षा का समय, रिपोर्टिंग टाइम और अन्य जरूरी डिटेल्स दी गई हैं। इनमें से किसी भी कॉलम में कोई गड़बड़ होने पर आप स्कूल प्रिंसिपल या अन्य अथॉरिटी को सूचित कर इसमें सुधार करा सकते हैं।

वर दे वीणा वादिनी वर दे..., पूरे कोल्हान में की गई माता सरस्वती की आराधना

चूड़ियों से किया माता सरस्वती का श्रृंगार

कदमा स्थित डीबीएमएस कॉलेज में चूड़ियों से सुसज्जित मां सरस्वती की प्रतिमा

PHOTON NEWS JSR : कदमा स्थित डीबीएमएस कॉलेज में मां वीणावादिनी की पूजा उल्लास पूर्वक मनाई गई। यहां माता सरस्वती की प्रतिमा का श्रृंगार चूड़ियों से किया गया। अंजलि गणेशन व काजल महतो के निर्देशन में 5000 से अधिक चूड़ियों से सरस्वती मां के मंदिर का श्रृंगार किया गया। डेविड रिचर्ड, अमीषा, स्वीटी, पूजा आदि छात्राओं ने चूड़ियों को बांध कर मां सरस्वती का सिंहासन तैयार किया। इसके बाद विधि विधान से पुजारी ने देवी का दूध, दही, जल और नारियल पानी से अभिषेक किया, फूलों से अर्चना की और श्लोक से वंदन किया।

आदर्शनगर, सोनारी में महिलाओं ने की पूजा

सोनारी के आदर्शनगर में मां की प्रतिमा

JAMSHEDPUR : सोनारी स्थित आदर्शनगर में सखी महिला मंडल ने लगातार दूसरे वर्ष सरस्वती पूजा की। इसे सफल बनाने मे मंजरी प्रुष्टि, सुनीता कुमारी, रेखा, मिली जैना, शीतल, सुतपा, स्वीटी, मनीषा, लिली, शोभा, श्यामली आदि विशेष सक्रिय रहीं।

घाटशिला में पूजी गईं विद्या की देवी

हेंदलजुड़ी में छात्रों के स्थापित पूजा पंडाल में विराजमान मां सरस्वती

GHATSILA : घाटशिला प्रखंड में सोमवार को धूमधाम से विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गईं। विभिन्न शिक्षण संस्थानों में मां की प्रतिमा स्थापित कर पूजा संपन्न कराई गई। शिक्षण संस्थान के बच्चों ने उपवास रहकर पुष्पांजलि अर्पित की। पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया गया। शिक्षण संस्थान में विद्यार्थियों ने फिल्मी गानों पर जमकर नृत्य किया। हेंदलजुड़ी गांव में इस बार भी सरस्वती पूजा का भव्य पंडाल बनाया गया है। न्यू झारखंड यंग ब्वायज क्लब के सदस्यों ने पंडाल में प्रयागराज के महाकुंभ को दर्शाने का प्रयास किया है। पंडाल में महाकुंभ के त्रिवेणी संगम की झलक देखने को मिल रही है।

सरस्वती पूजा पर तुलसी प्रभा लोकार्पित

पुस्तक का लोकार्पण करते आयोजक

JAMSHEDPUR : वसंत पंचमी के अवसर पर तुलसी भवन में सोमवार को धूमधाम से सरस्वती पूजा मनाई गई। पुरोहित पं. सुजीत द्विवेदी (सोनारी) ने विधि-विधान के साथ पूजा कराई। पूजा में संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चंद्र मुनका तथा साहित्य समिति के सचिव डॉ. अजय कुमार ओझा यजमान रहे। मौके पर संस्थान के मुखपत्र 'तुलसी प्रभा' का नवीन अंक मां सरस्वती के चरणों में अर्पित करने के उपरांत संस्थान के न्यासी अरुण कुमार तिवारी व मुरलीधर केडिया भी उपस्थित थे।

बालवीर हकीकत राय का मनाया बलिदान दिवस

सोनारी में बालवीर हकीकत राय को श्रद्धांजलि देते धर्मचंद्र पोद्दार व अन्य

JAMSHEDPUR : भारतीय जन महासभा ने बसंत पंचमी के दिन बलिदान हुए बालवीर हकीकत राय को विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। जमशेदपुर में त्रिमूर्ति मंदिर प्रांगण, परदेसी पाड़ा, सोनारी में हकीकत राय का बलिदान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष धर्म चंद्र पोद्दार ने कहा कि हकीकत राय का कथन था कि उसने किसी के कहने से हिंदू धर्म स्वीकार नहीं किया था। वह परमात्मा की इच्छा के अनुरूप ही हिंदू माता-पिता के घर में उत्पन्न हुआ है। वह मुसलमान बनकर परमात्मा की आज्ञा के उल्लंघन का अपराधी नहीं बन सकता है। वह कदापि अपना धर्म नहीं छोड़ेगा।

खाने के बेहतरीन स्वाद के लिए घर पर तैयार कर रही हैं मसाला, तो इन बातों का रखें ध्यान

जब आप घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको साबुत मसालों की [ालिटी के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि मसाले फ्रेश हों और उनमें से किसी तरह की गंध ना आ रही हो और ना ही उनका रंग फीका पड़ा हो।

खाने का असली स्वाद उसके मसालों में छिपा होता है। अमूमन हम बाजार के रेडीमेड मसाले लाकर उनका इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, लेकिन कभी-कभी उनमें मिलावट होती है और हमें इसका पता ही नहीं चलता है। ऐसे में खाना काफी फीका व बेस्वाद सा लगता है। साथ ही साथ, मिलावटी मसालों के कारण सेहत को भी काफी नुकसान होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप खुद घर पर ही अलग-अलग तरह के मसाले बनाकर उन्हें स्टोर करें। घर पर मसाले तैयार करते समय थोड़ी अतिरिक्त मेहनत अवश्य लगती है, लेकिन खाने का स्वाद बेहद ही लाजवाब आता है। अगर आप भी घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। जानिए इस लेख में-

क्वालिटी के साथ ना करें समझौता

जब आप घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको साबुत मसालों की क्वालिटी के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि मसाले फ्रेश हों और उनमें से किसी तरह की गंध ना आ रही हो और ना ही उनका रंग फीका पड़ा हो। अगर साबुत मसाले की क्वालिटी अच्छी होती है, तभी आपके पीसे हुए मसालों का स्वाद उतना लाजवाब लगता है।

अनुपात में ना हो गड़बड़

अमूमन हम सभी घर पर कई तरह के मसालों को तैयार करते हैं, फिर चाहे वह गरम मसाला हो, सांभर मसाला हो या चाट मसाला। एक परफेक्ट टेस्ट के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप मसालों के अनुपात का खास ख्याल रखें। दरअसल, हर मसाले के मिश्रण का अपना खास अनुपात होता है, इसलिए आप उसी अनुपात को ध्यान में रखकर मसला तैयार करें।

पहले करें ड्राई रोस्ट

जब आप घर पर मसाला बना रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप पहले साबुत मसाले को ड्राई रोस्ट जरूर करें। मसालों को ड्राई रोस्ट करने से उनका स्वाद और खुशबू दोनों बढ़ जाती है। इसके लिए, आप भारी तले वाले पैन का इस्तेमाल करें और धीमी आंच पर इसे भूनें। ध्यान दें कि हर मसाले को अलग-अलग भूनें, क्योंकि सभी को भूनने का समय अलग-अलग होता है। साथ ही साथ, इसे जलने से बचने के लिए भूनते समय हिलाते रहें।

चॉकलेट पराठा बनाते समय ना करें ये गलतियां, बिगड़ जाएगा स्वाद

चॉकलेट पराठा बनाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप किसी भी चॉकलेट का इस्तेमाल करना शुरू करें। आप ऐसी चॉकलेट से बचें जो बहुत जल्दी पिघल जाती हैं, क्योंकि वह पराठा सेंकते समय समय बाहर निकल सकती हैं।

ठंड के मौसम में पराठा खाना हम सभी को पसंद होता है, लेकिन अगर आप बच्चों के लिए कुछ अच्छा व अलग तरह का पराठा बनाना चाहते हैं तो ऐसे में चॉकलेट पराठा बनाया जा सकता है। चॉकलेट का नाम सुनते ही बच्चों के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान छा जाती है, तो जरा सोचिए कि चॉकलेट पराठा का नाम सुनकर वे कितना ज्यादा खुश होंगे। खासतौर से, जिन बच्चों को मीठा खाना काफी पसंद होता है, उनके लिए चॉकलेट पराठा किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यूं तो चॉकलेट पराठा खाने में काफी सॉफ्ट लगता है, लेकिन अधिकतर इसे बनाते समय हम इसमें कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे इसका स्वाद बिगड़ जाता है। यह काफी सख्त और जला हुआ महसूस होता है या फिर इसकी फिलिंग बाहर निकलने लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको चॉकलेट पराठा बनाते समय की जाने वाली कुछ आम गलतियों के बारे में बता रहे हैं-

गलत चॉकलेट का इस्तेमाल करना

चॉकलेट पराठा बनाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप किसी भी चॉकलेट का इस्तेमाल करना शुरू करें। आप ऐसी चॉकलेट से बचें जो बहुत जल्दी पिघल जाती हैं, क्योंकि वह पराठा सेंकते समय समय बाहर निकल सकती हैं। कोशिश करें कि आप चॉकलेट पराठा बनाने के लिए सेमी-स्वीट या डार्क चॉकलेट चुनें।

पराठे में बहुत ज़्यादा चॉकलेट भरना

अक्सर हम पराठा को बहुत ज्यादा टेस्टी बनाने के चक्कर में उसमें बहुत ज्यादा चॉकलेट भर देते हैं। ऐसा करना शायद आपको अच्छा लगता हो, लेकिन इससे पराठे को रोल करना काफी मुश्किल हो जाता है। यहां तक कि इससे पराठा बेलते समय उसके फटने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। इसलिए, हमेशा सही मात्रा में ही चॉकलेट का इस्तेमाल करें।

ठीक से सील न करना

चॉकलेट पराठा बनाते समय इस बात का विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जबकि हम इसमें अक्सर गड़बड़ कर बैठते हैं। अगर पराठे के किनारों को अच्छी तरह से सील नहीं किया गया है, तो खाना बनाते समय चॉकलेट बाहर निकल जाएगी, जिससे चिपचिपापन पैदा होगा। इसलिए किनारों को सही तरह से सील करें और उन्हें सील करने से पहले उन्हें पानी या दूध से थोड़ा गीला कर लें।

तेज़ आंच पर पकाना

चॉकलेट पराठा बनाते समय उसे कभी भी तेज आंच पर पकाने की गलती नहीं करनी चाहिए। अगर आप तेज आंच पर चॉकलेट पराठा बना रहे हैं तो इससे पराठे की आउटर लेयर पिघल सकती है, जबकि अंदर की चॉकलेट नहीं पिघलेगी। इसलिए पराठा को समान रूप से पकाने के लिए आंच को मध्यम-धीमा रखें।

सर्दियों में डल हो गया है फेस तो अप्लाई करें मक्के के आटे का फेसपैक, शीशे सी चमकेगी त्वचा

आप मक्के का आटा स्किन केयर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको मक्के का आटा इस्तेमाल करने के फायदे और इसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके।

सर्दियों में मौसम में अक्सर हमारी स्किन डल हो जाती है। ऐसे में हर कोई इस मौसम में अपनी स्किन का खास ख्याल रखता है। स्किन केयर के लिए लोग महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं और बहुत से लोग घरेलू नुस्खे भी अपनाते हैं। अगर आप भी ब्यूटी प्रोडक्ट से ज्यादा घरेलू नुस्खों पर भरोसा रखती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि सर्दियों में हम आपको स्किन केयर में मक्के का आटा इस्तेमाल करना सिखा रहे हैं।

दरअसल, मक्के के आटे में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण, मिनरल्स और विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह आपकी स्किन को पोषण देने के साथ त्वचा को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। ऐसे में आप मक्के का आटा स्किन केयर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मक्के का आटा इस्तेमाल करने के फायदे और इसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके।

स्किन को मिलेगा निखार

मक्के का आटा हमारी स्किन की गहराई से सफाई करता है और नेचुरल चमक देता है। अगर आप सप्ताह में दो-तीन बार इस आटे से बने फेसपैक का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपका फेस खिल उठेगा।

डेड स्किन होगी खत्म

मक्के का आटा स्क्रब की तरह काम करता है। यह डेड स्किन सेल्स को हटाने में सहायता करता है। आप बिना सोचे-समझे सप्ताह में दो बार इस स्क्रब का इस्तेमाल कर सकती हैं।

झुर्रियां कम होंगी

मक्के के आटे में एंटी-ऑक्सीडेंट्स मौजूद होता है, जो स्किन को जवां बनाए रखते हैं। इस फेसपैक को अप्लाई करने से स्किन की झुर्रियां कम हो जाती हैं। साथ ही यह फेसपैक पिगमेंटेशन और टैनिंग को भी कम करता है।

फेस पैक बनाने का सामान

मक्के का आटा - 2 बड़े चम्मच

दूध - 2-3 बड़े चम्मच

शहद - 1 चम्मच

गुलाब जल - 1-2 चम्मच

ऐसे बनाएं

यह फेसपैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में मक्के का आटा लें। अब इसमें धीरे-धीरे कच्चा दूध डालें और इसको अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें शहद और गुलाबजल मिलाएं और गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें। लगाने के बाद इसको 15-20 मिनट तक सूखने दें। अब हल्के गुनगुने पानी से स्क्रब करते हुए चेहरा धो लें।

इन बातों का रखें ध्यान

बता दें कि यह फेसपैक आपकी स्किन को नेचुरल रूप से स्वस्थ और चमकदार बनाएगा। लेकिन इसके इस्तेमाल के दौरान आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखता है। क्योंकि अगर आपकी स्किन संवेदनशील है, तो आपको पहले पैट टेस्ट जरूर करना चाहिए। इस फेसपैक को आंखों और होंठों के आसपास न लगाएं। क्योंकि अगर यह गलती से आंख के अंदर चला जाता है, तो आपको दिक्कत हो सकती है।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आज से ही पीना शुरु कर दें यह सूप

अगर आप भी बिना मेकअप के ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो घर में यह सूप जरुर बनाएं। इस सूप बनाने के लिए आपको बस यह चीजें चाहिए। आइए आपको बताते हैं इसे बनाने की विधि।

आज के समय में महिलाओं को बिना मेकअप के खूबसूरत दिखना है। अगर आप भी चाहती हैं निखरी और दमकती त्वचा, तो आप अपने में डाइट में हेल्दी चीजें को जरुर शामिल करें। हेल्दी चीजों के सेवन से आपकी त्वचा भी खिलकर आएगी। बिना मेकअप के ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आप अपने घर पर इस हेल्दू सूप को जरुर बनाएं।

सामग्री

- 1 कप गाजर - 1 कप लौकी
- 1 टमाटर - 1 प्याज
- 1/2 इंच अदरक का टुकड़ा
- 2 से 3 लहसुन की कलियां
- नमक स्वादानुसार
- काली मिर्च
- घी

गाजर और लौकी का सूप बनाने की रेसिपी

- सबसे पहले आप कुकर में घी डालें।
- फिर इसमें अदरक, लहसुन, प्याज हल्का सुनहरा होने तक भूनें।
- अब आप इसमें गाजर, लौकी और टमाटर डालें और हल्का सा भूनें।
- सभी चीजों को भूनने के बाद 2 कप पानी डालें।
- जब 2 सीटी आ जाए तो गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।
- फिर ब्लेंडर में सभी चीजों को डालकर ब्लेंड कर लें।
- इसमें स्वादानुसार कालीमिर्च और नमक डालें।
- तैयार के आपका गर्मागरम सूप।

सूप के पीने के फायदे

गाजर और लौकी के सूप में विटामिन सी मौजूद होता है, जो स्किन में निखार लेकर आता है। इससे कोलेजन का उत्पादन होता है, जो कि त्वचा की झुर्रियों को कम करता है। इसके साथ ही यह एंटी-एजिंग का गुण प्रदान करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है जो बढ़ती उम्र को रोकने में भी मदद करता है। इस सूप के पीने से त्वचा कोमल बनती है।

मीठा खाने का है मन तो फटाफट बनाकर तैयार करें गाजर की खीर

सर्दियों में गाजर का हलवा हर घर में बड़े चाव से खाया जाता है। हालांकि गाजर का हलवा बनाना टेढ़ी खीर है। क्योंकि इसमें घंटों की मेहनत लगती है। लेकिन अगर आपका कुछ झटपट बनाकर खाने का मन है, तो गाजर के हलवे जैसा स्वादिष्ट गाजर की खीर बनाकर खा सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में हर घर में गाजर खाई जाती हैं। गाजर में पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाई जाती है। बहुत से लोग गाजर की सब्जी, अचार, पराठे तो कभी स्वादिष्ट हलवा बनाकर खाया जाता है। वहीं सर्दियों में गाजर का हलवा हर घर में बड़े चाव से खाया जाता है। हालांकि गाजर का हलवा बनाना टेढ़ी खीर है। क्योंकि इसमें घंटों की मेहनत लगती है, तब जाकर यह हलवा तैयार होता है। लेकिन अगर आपका कुछ झटपट बनाकर खाने का मन है, तो गाजर के हलवे जैसा स्वादिष्ट गाजर की खीर बनाकर खा सकती हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गाजर की खीर बनाने की विधि के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आज हम आपको रबड़ीदार और परफेक्ट गाजर की खीर की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह स्वादिष्ट गाजर की खीर आपके परिवार के सभी सदस्यों को खूब पसंद आएगी।

गाजर की स्वादिष्ट रबड़ीदार खीर बनाने के लिए आपको जिन भी सामग्रियों की जरूरत होगी वह ये हैं।

गाजर- एक कप कद्दूकस की हुई

देसी घी- 2 बड़े चम्मच

दूध- डेढ़ कप

कंडेंस्ड मिल्क- दो बड़े चम्मच

फ्रेश मलाई

काजू

बादाम

पिस्ता

किशमिश

चीनी

इलायची पाउडर- 1/4

ऐसे बनाएं गाजर की खीर

बता दें कि गाजर की खीर बनाने के लिए सबसे पहले गाजर को कद्दूकस कर लें। अब गैस पर पैन चढ़ाकर दो बड़े चम्मच देसी घी डालें। अब इसमें मनपसंद ड्राई फ्रूट्स डालकर रोस्ट कर लें। फिर इन ड्राई फ्रूट्स को एक प्लेट में निकालकर अलग रख लें। इसके बाद उसी पैन में कद्दूकस की हुई गाजर डालें और इसको अच्छे से रोस्ट कर लें। इससे गाजर में अच्छा सा फ्लेवर आ जाएगा। करीब 5-7 मिनट तक हल्दी आंच पर कद्दूकस की हुई गाजर को चलाते हुए रोस्ट करें।

जब गाजर अच्छे से रोस्ट हो जाए, तो इसमें उबला हुआ दूध डाल दें। अब गाजर और दूध को अच्छे से चलाते हुए मिक्स करें और फिर मीडियम आंच पर धीरे-धीरे पकने दें। जब इसमें उबाल आ जाए, तब इसमें कंडेंस्ड मिल्क या फिर गाढ़ी मलाई मिलाएं। इसको बीच-बीच में चलाते रहें।

करीब 5 मिनट तक पकाने के बाद स्वादानुसार चीनी डालें और यदि आपने कंडेंस्ट मिल्क मिलाया है, तो चीनी थोड़ा कम ही डालें। क्योंकि कंडेंस्ड मिल्क पहले से मीठा होता है। इन सभी सामग्रियों को अच्छे से चलाते हुए पका लें। करीब 5 मिनट तक इसको गाढ़ा होने तक पकाएं। अब इसमें फ्लेवर और खुशबू के लिए इलायची पाउडर मिक्स करें और गैस बंद कर लें। इस तरह से गाजरी की स्वादिष्ट खीर बनकर तैयार हो जाएगी। गार्निशिंग के लिए ऊपर से कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालें और गर्मागर्म सर्व करें।

जागरूकता से ही होगा कैंसर रोग पर नियंत्रण

विश्व कैंसर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है।

कैंसर बीमारियों का एक जटिल समूह है जिसकी विशेषता असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार है । इसमें 100 से अधिक विभिन्न रोग शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करते है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। इन्हें कार्सिनोमा, सारकोमा, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे प्रकारों में वगीकृत किया जाता है। इसके कारणों में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारक शामिल हैं, जिनमें अस्पष्टीकृत वजन घटाने से लेकर लगातार थकान तक के लक्षण शामिल हैं। कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तंबाकू से परहेज, स्वस्थ आहार और टीकाकरण शामिल हैं। प्रभावी प्रबंधन और शुरूआती पहचान के लिए जागरूकता और ज्ञान महत्वपूर्ण है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है। इस दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने

कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नैशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ें बताते हैं कि देश में 2023 में कैंसर के मामले 15 लाख तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऐसे हजारों केस भी होंगे जिनका आंकड़ा नहीं मिल पाता होगा। भारत में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। 2040 तक भारत में कैंसर के मामले 2020 की तुलना में 57.5% बढ़कर 20लाख 80हजार हो जाएंगे। (आईसीएमआर) के मुताबिक भारत में हर साल 1.3 मिलियन से ज्यादा नए कैंसर के मामले सामने आते हैं। कैंसर रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों का भी मानना है कि यह खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कैंसर रोग की शुरूआती पहचान, जोखिम में कमी और प्रबंधन जैसे उपाय जरूरी है।

(आईसीएमआर) के आंकड़ों को देखें तो 2021 में कैंसर के 1426447 मामले नैशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम में दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या बढ़कर 1461427 हो गई और 2023 में 1496972 केस सामने आए। हर 9 में से से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के काफी मामले सामने आ रहे हैं। 14 वर्ष तक की आयु में लिम्फोइड ल्यूकेमिया का खतरा बढ़ा है। 2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी का अनुमान है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है।

विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, रोगी-केंद्रित देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को परिभाषित करती है। कैंसर का पता लगाने, कैंसर के प्रकार और कारण, डायग्नोस और उपचार में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अफसोस की बात है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी के पास अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें नहीं पहुंच पायी है। जिसमें गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, रेगुलर टीकाकरण, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी बीमारी का इलाज शामिल है। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाकर, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देकर, इफेक्टिव कम्यूनिटी बेस्ड प्लान को लागू करके, हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

विश्व कैंसर दिवस दुनिया पर कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए सभी के लिए मिलकर काम करने का एक अवसर है। जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा को बढ़ावा देकर, दूसरों को नैतिक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित कर-के और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देकर ऐसे लोगों का जीवन बचाना है जिसे रोका और ठीक किया जा सकता है। एकजुट होकर और कार्म करके हम इस बीमारी से हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था और एक समाज के रूप में हमारी आत्माओं पर पड़ने वाले असर को कम कर सकते हैं।

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर की चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका इस मुद्दे के बारे में लोगों से बातचीत शुरू कर के जागरूकता बढ़ायी जाये। तभी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लोगों की जीवन रक्षा की जा सकेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहतकारी बजट

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सुस्त पड़ती आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए बजट में मध्यम वर्ग के लिए राहत की बड़ी सौगात दी है। यह कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कर नहीं लगेगा जिससे लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा बच सकेगा। फलस्वरूप घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। आर्थिक गतिविधियों में रवानी आने से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वित्त मंत्री ने शनिवार को लोक सभा में वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश किया जो उनका लगातार आठवां बजट रहा, जो कीर्तिमान है। इस राहत से करीब एक करोड़ लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने समेत अगली पीढ़ी के सुधारों को तेज करने का भी प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा है कि 'यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, विकसित भारत के मिशन को आगे ले जाएगा और विकास, निवेश और उपभोग को कई गुना बढ़ाएगा'। बेशक, बजट में जिस प्रकार से आयकर से राहत दी गई है, वह बाकी सभी बजट प्रावधानों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण दिखलाई पड़ रही है। हालांकि हर बजटीय प्रावधान खासे विमर्श के बाद किया जाता है। लेकिन आयकर में राहत महत्त्वपूर्ण है क्यों कि अरसे से इस बाबत मांग की जा रही थी। अब यह राहत मिली है, तो इसे कुछ लोग चुनाव के मद्देनजर किया गया बदलाव करार दे रहे हैं। इस साल के आखिर में बिहार और इसी फरवरी में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव हैं। बिहार के लिए भी पैकेज घोषित किया है, और आयकर में राहत से एक अनुमान के मुताबिक, दिल्ली के 85 प्रतिशत करदाताओं को अब आयकर नहीं देना पड़ेगा। बहरहाल, आम बजट से चुनावी से इतर अनेक लाभ मिलने तय हैं। महंगाई कम करने के साथ ही बजट रोजगार सृजन में सहायक होगा। रक्षा क्षेत्र और पूंजीगत व्यय में वृद्धि करने के साथ ही नियामक सुधारों पर बल दिया गया है। वरिष्ठ जन की एक लाख रुपये तक की ब्याज आय को कर-मुक्त रखा गया है, जो यकीनन सराहनीय है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए भी उत्साहजनक ऐलान है। स्वास्थ्य क्षेत्र और

सैफ अब सेफ लेकिन सवाल हैं ढ़ेरों अनसुलझे, अनसेफ..!

ऋतुपर्ण दवे

यह न तो किसी फिल्म का हिस्सा है और न ही कोई स्टंट। फिल्म अदाकार सैफ अली खान अपने घर पर 16 जनवरी की आधी रात बाद बदनीयत से घुसे एक आरोपी के प्राणघातक हमले से बुरी तरह जख्मीं हो खून से लथपथ हो जाते हैं। शेरदिल सैफ अपने छोटे बच्चे के साथ ऑटो में बैठकर अस्पताल पहुंचते हैं। घायल सैफ को पहचानते ही अस्पताल में तहलका मचता है। हैसियत के अनुसार बेहतर इलाज मिलता है। खबरिया चैनलों में घटना को दिखाने की होड़ मचती है। देखते ही देखते एक सेलेब्रिटी पर हमला हर जुबान पर होता है। लोग अपने-अपने कयास लगाते हैं। मुंबई पुलिस पर उंगली उठती है। हड़बड़ाहट में पुलिस को जो सुराग, सबूत हाथ लगते हैं उसी पर काम शुरू हो जाता है। सी.सी.टी.वी. फुटेज मिलते ही पलक झपकते हर मोबाइल पर पहुंच जाती है।

कई घण्टे बल्कि दिन पुलिस खाली हाथ रहती है। धीरे-धीरे सुराग मिलने के दावे होते हैं। तीन संदेहियों की बात होती है। हद तो तब हो जाती है जब छत्तीसगढ़ जा रहे कथित आरोपी की फोटो जारी हो जाती है जिससे उसकी न केवल नौकरी चली गई बल्कि होने वाली शादी भी टूट गई। उससे हाथ कुछ नहीं लगा। काफी मशक्कत, किरकिरी और नाक के सवाल के बीच 35 पुलिस टीमों की 60 घण्टों की भागदौड़ से 19 जनवरी को कथित असली आरोपी हाथ लगता है। इसे बांगलादेशी घुसपैठिया शरीफुल इस्लाम शहजाद बताया जाता है। दूसरी ओर बांगलादेश में बैठा उसका पिता देखते ही साफ इंकार करता है कि सी.सी.टी.वी. में दिख रहा शख्स उनका बेटा नहीं है।

इसी बीच फुटेज और पकड़ाए आरोपी के अलग-अलग हुलिए पर नई बहस और कई तर्क-कुतर्क शुरू हो जाते हैं। वाकई दोनों अलग-अलग दिखते हैं जो पहली नजर में समझ आता है। देश की सबसे स्मार्ट कहलाने वाली मुंबई पुलिस अपने ही जारी वीडियो पर घिर जाती है। बात तकनीक से पहचान तक आती है। वहीं दूसरे आम जानकार भी सवाल उठाते हैं। आम और खास सभी फुटेज और गिरफ्तार आरोपी के चित्रों का मिलान करते हैं और संदेहों की झड़ी लग जाती है। सी.सी.टी.वी. में बाल काले हैं आरोपी के बाल थोड़े से सफेद हैं। दोनों की उम्र भी अलग-अलग झलकती है। पकड़ा गया उम्र दराज लगता है तो फुटेज वाला बनिस्बत युवा। माथे का आकार-प्रकार भी अलग-अलग दिखता है। सी.सी.टी.वी. वाले का माथा पकड़ाए आरोपी की तुलना में छोटा है। आँखों में भी साफ अंतर है। पकड़ाए आरोपी की आँखें थोड़ी चौड़ी और बादाम के आकार सी है। सी.सी.टी.वी. में दिख रही आँखें गोल और छोटी हैं। दोनों की भौंहों का अंतर भी साफ-साफ झलकता है। दोनों की नाक का भी अंतर समझ आता है। गिरफ्तार की नाक चौड़ी है। फुटेज में नाक नुकीली और कम चौड़ी है। दोनों के होंठों में साफ-साफ अंतर दिख रहा है।

बात सिर्फ आरोपी की हो तो भी समझ आता है। लेकिन सैफ के डिस्चार्ज के वक्त आए वीडियो ने तो जैसे हंगामा बरपा दिया। चूंकि उन पर चाकू से इतने वार हुए कि एक टुकड़ा टूटकर पीठ में जा घुसा जो सर्जरी से निकला। जाहिर है जख्म गहरे होंगे और सैफ बेइंतिहा दर्द से गुजरे होंगे। साधारणतया फांस घुसने या नाखून के साथ किनारे जमीं चमड़ी कट जाने पर कई-कई दिन लोगों को तकलीफ रहती है। वहीं बुरी तरह जख्मी सैफ की सेहत में हैरानी भरा सुधार और इतना कि अस्पताल से पैदल चलकर हीरो माफिक निकलना खुद ही बड़ा सवाल बन गया? जबकि डॉक्टरों की हिदायत पूरी तरह से आराम यानी बेड रेस्ट की रही।

परिस्थितियों और बाद के घटनाक्रम ने संदेह और बढ़ाया। आम तो आम खास भी सवाल उठाने लगे। महाराष्ट के मंत्री नितेश राणे ने चुभते सवाल उठाए। पूछा कि क्या वाकई में चाकू से हमला हुआ या महज एक्टिंग थी? शिवसेना नेता संजय निरूपम भी कई सवाल उठाते हैं। सैफ पाँच दिन में ऐसे फि ट कैसे हो गए? उद्धव गुट के सांसद संजय राउत फिटनेस को मेडिकल चमत्कार मान डॉक्टरों को श्रेय देते हैं।

इधर लहरें टीवी का सोशल मीडिया हैंडल एक पुराना वीडियो शेयर करता है। उसमें सैफ 1994 में दिल्ली में हुए हमले का खुलासा करते हैं। फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी के प्रीमियर के बाद सैफ कुछ दोस्तों संग एक नाइट क्लब गए। वहां दो लड़कियां साथ डांस करने को कहती हैं। सैफ के इंकार पर लड़कियों के पुरुष दोस्त को बुरा लगा। बात चेहरा बिगाड़ने तक पर आ गई। सैफ पर हमला हुआ। वो सिर की चोट का निशान भी दिखाते हैं। लेकिन केस क्यों नहीं किया के जवाब में कहते हैं कि मामले को ज्यादा पब्लिसिटी नहीं देना चाहते थे वरना लोग उन्हें ही दोषी ठहराएंगे। इस बार ऐसा नहीं हुआ। चोटिल और इलाज के बाद निकलते सैफ किसी सुपरस्टार से कम नहीं लगे। 17 जनवरी की तड़के से अब तक सुर्खियां इतनी कि थमने के बजाए रोजाना कुछ न कुछ नई थ्योरी के साथ सामने होती हैं। हमले के वक्त घर पर कौन-कौन था, करीना लेकर अस्पताल क्यों नहीं पहुंची? साथ में वाकई कौन गया बेटा या कोई और?

निश्चित रूप से सैफ पर हमला, पकड़ाए आरोपी पर संदेह, सेहत में हैरानी भरा सुधार हर रोज नए-नए खुलासे, तर्क-वितर्क के बीच सच क्या और झूठ क्या है इस पर ऊहापोह की स्थिति है। कभी यह सुनाई देता है कि घटनास्थल से कलेक्ट किए गए नमूनों में से 19 नमूने आरोपी के फिंगरप्रिंट से मेल नहीं खा रहे। अब यह कि फेशियल रिकग्निशन टेस्ट में आरोपी शरीफुल का चेहरा और सैफ के घर में मिले सीसीटीवी के कैद आरोपी का चेहरा एक ही है। यह एक तरह से बायोमेट्रिक पहचान तकनीक है जो तीन भागों में विभाजित है। चेहरा पहचानना, चेहरा ट्रैकिंग और चेहरे को मिलाना। इस तकनीक से मुख्य रूप से यह पता किया जाता है कि दो तस्वीरों में मौजूद व्यक्ति एक ही व्यक्ति है या नहीं?

इतना तो तय है कि घटना की गुत्थियां, पेचीदगियां और रहस्य कहीं न कहीं महाराष्ट्र पुलिस, सरकार और सेलीब्रिटीज के लिए लंबे अरसे तक सिरदर्द जरूर रहेंगी। सच-झूठ सिवाय सैफ-करीना के कौन जानता है यह भी अनसुलझा सवाल बन चुका है?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है।

लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी।

खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

मुद्दा : परिवेशगत सुधार की जरूरत

विनीत नारायण

कई दशकों से देखने में आया है कि गणतंत्र या स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को नमन कर देशवासियों को लंबे-चौड़े वादों की सौगात देकर देश का भला करने के संकल्प लिए जाते हैं परंतु इन सब से क्या देश का भला हो सकता है?

कई देशों में प्रवासी भारतीयों ने कई क्षेत्रों में बुलंदियों को छुआ है। इसका मतलब हुआ कि भारतीयों में योग्यता की कोई कमी नहीं है। यदि सभी को सही मौका और प्रोत्साहन मिले तो कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

अगर यह बात सही है तो फिर क्या वजह है कि खिलाड़ियों पर खर्चा करने की बजाय खचीर्ले खेल आयोजनों पर अरबों रुपया बर्बाद किया जाता है? कुछ हजार रुपये का कर्जा लेने वाले किसान आत्महत्या करते हैं और लाखों करोड़ का बैंकों का कर्जा हड़पने वाले उद्योगपति ऐश। आधी जनता भूखे पेट सोती है और एफसीआई के गोदामों में करोड़ों टन अनाज सड़ता है। विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका और मीडिया भी ऐसी अव्यवस्था का नंगा नाच दिखाने में पीछे नहीं रहते।

नतीजतन, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम सीमा पर पहुंचता जा रहा है। सरकार के पास विकास के लिए धन की कमी नहीं है पर धन का सदुपयोग कर विकास के कामों को ईमानदारी से करने वाल पैसे-पैसे के लिए धक्के खाते हैं और नकली योजनाओं पर अरबों रुपया डकारने वाले सरकार का धन बिना रुकावट खींच ले जाते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस का क्या अर्थ लिया जाए? यही न कि हमने आजादी के नाम पर गोरे साहबों को धक्का देकर काले साहबों को बिठा दिया। पर काले साहब तो लूट के मामले में गोरों के भी बाप निकले। स्विटजरलैंड के बैंकों में सबसे ज्यादा काला धन जमा करने वालों में भारत काफी आगे है। इसलिए जरूरत है हमारी सोच में बुनियादी परिवर्तन की।

ह्यसब चलता हैह्ल और ह्यऐसे ही चलेगाह्ल कहने वाले इस लूट में शामिल हैं। जज्बा तो यह होना चाहिए कि ह्यदेश सुधरेगा क्यों नहीं?ह्ल ह्यहम ऐसे ही चलने नहीं देंगेह्ल। अब सूचना क्रांति का जमाना है। हर नागरिक को सरकार के हर कदम को जांचने-परखने का हक है। इस हथियार का इस्तेमाल पूरी ताकत से करना चाहिए। सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न हो उसमें में जो लोग बैठे हैं, उन्हें भी अपना रवैया बदलने की जरूरत है। एक मंत्री या मुख्यमंत्री रात के अंधेरे में मोटा पैसा खाकर उद्योगपतियों के गैर-कानूनी काम करने में तो एक मिनट की देर नहीं लगाता। पर यह जानते हुए भी कि फलां व्यक्ति या संस्था राज्य के बेकार पड़े संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर सकती है, उसके साथ वही तत्परता नहीं दिखाता।

आखिर क्यों? जब तक हम सही और अच्छे को बढ़ावा नहीं देंगे, उसका साथ नहीं देंगे, उसके लिए आलोचना भी सहने से नहीं डरेंगे तब तक कुछ नहीं बदलेगा। नारे बहुत दिए जाएंगे पर परिणाम केवल कागजों तक सीमित रह जाएंगे। सरकारों ने अगर अपने अधिकारियों के विरोध की परवाह करते हुए अपने कार्यकालों में कई सक्षम लोगों को यदि खुली छूट न दी होती तो अमूल और मेट्रो जैसे हजारों करोड़ के साम्राज्य कैसे खड़े होते? आम आदमी के लिए रोजगार का सृजन करना हो या देश की गरीबी दूर करना हो, सरकार की नीतियों में बुनियादी बदलाव लाना होगा। केवल आंकड़े ही नहीं साक्षात परिणाम देख कर भी नीति बननी चाहिए।

खोजी पत्रकारिता के चार दशक के मेरे अनुभव यही रहे कि बड़े से बड़ा भ्रष्टाचार बड़ी बेशर्मी से कर दिया जाता है पर सच्चाई और अच्छाई का डट कर साथ देने की हिम्मत हमारे राजनेताओं में नहीं है। इसीलिए देश का सही विकास नहीं हो रहा। खाई बढ़ रही है। हताशा बढ़ रही है। हिंसा बढ़ रही है। पर नेता चारों ओर लगी आग देख कर भी कबूतर की तरह आंखें बंद किये बैठे हैं। इसलिए फिर से समाज के मध्यम वर्ग को समाज के हित में सक्रिय होना होगा। मशाल लेकर खड़ा होना होगा। टीवी सीरियलों और उपभोक्तावाद के चंगुल से बाहर निकल कर अपने इर्द-गिर्द की बदहाली पर निगाह डालनी होगी ताकि हमारा खून खौले और हम बेहतर बदलाव के निमित्त बन सकें।

विनाश के मूक द्रष्टा नहीं। तब ही हम सही मायने में आजाद हो पाएंगे। फिलहाल तो उन्हीं अंग्रेजों के गुलाम हैं जिनसे आजादी हासिल करने का मुगालता

लिए बैठे हैं। हमारे दिमागों पर उन्हीं का कब्जा है जो घटने की बजाय बढ़ता जा रहा है। ये बातें या तो शेखचिल्ली के ख्वाब जैसी लगती हैं या किसी संत का उपदेश। पर ऐसा नहीं है। इन्हीं हालात में बहुत कुछ किया जा सकता है। देश के हजारों लाखों लोग रात दिन निष्काम भाव से समाज के हित में समर्पित जीवन जी रहे हैं। हम इतना त्याग न भी करें तो भी इतना तो कर ही सकते हैं कि अपने इर्द-गिर्द की गंदगी को साफ करने की ईमानदार कोशिश करें। चाहे वह गंदगी हमारे दिमागों में हो, हमारे परिवेश में हो या हमारे समाज में हो। हम नहीं कोशिश करेंगे तो दूसरा कौन आकर हमारा देश सुधारेगा?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Universe: The river called happiness

A great Sufi master once asked some people what they needed to be happy. They gave varying answers. Some had wishes that could be fulfilled soon, within weeks or months. Some had wishes that may have taken years to fulfil. The Sufi master smiled, because he knew that pinning it on some future fulfilment or seeking it in external factors would never truly bring happiness.Happiness is the beautiful, colourful bird that we all seek, but seldom comes within our grasp. It always seems to be elusive. Indeed, happiness can only spring from within. If one calmly contemplates upon all the reasons one should be grateful for, then gratitude and happiness shall arise from the heart and illuminate the soul.

All modern marketing is based on the premise that one must buy this or that and then one shall be in a state of absolute bliss.But it is our lived experience that all things that can be purchased bring only fleeting pleasure. The enchanting bird that we call happiness still seems to be out of reach. What is the secret to attaining happiness? The Sufi philosophy is that happiness is a choice. By making a conscious decision to be happy, one can cultivate a fulfilling life that has meaning and purpose.

There is the story of a Sufi mystic who was always happy and joyful. Those who had lived with him in his khanqah (abode of Sufis, dervishes and their disciples) for years never remembered seeing him unhappy. There came a time when the Sufi was very old, and it seemed that he would unite with the Divine Beloved soon. His disciples wanted to be as happy as him, so they asked him to share the secret.

The Sufi master told them that when he was a young man, he found himself to be depressed and miserable. Fortunately, he encountered a great Sufi saint. He was amazed to discover that the saint was always joyful. How so?The saint told him, "The day the realisation dawned on me that happiness is my choice, it transformed my life. Since that day, when I wake up in the morning, I ask myself what I want. Do I want blissfulness, or misery? I always choose blissfulness, and hence I always remain happy, regardless of the external

circumstances. I have always made my choice and followed it." The Master said the learning transformed his life, and that each of us has the power to transform our life the same way. Deep faith in the Almighty helps us in our endeavour to keep the mind and heart at peace. A steadfast awareness of our blessings has the power to anchor the self in happiness and contentment and not be swayed by the trials and tribulations of the constantly changing world.

More than 700 years ago, the loved dervish Shams-i Tabrizi explained it thus:

"When I run after what I think I want,
my days are a furnace of stress and anxiety;
if I sit in my own place of patience,
what I need flows to me, and without pain.
From this I understand that
what I want also wants me,
is looking for me and attracting me.
There is a great secret here
for anyone who can grasp it."

The great Sufi mystic Jalal al-Din Muhammad Rumi wrote that true happiness arises from being oneself, in listening deeply to one's heart, and engaging in activities that resonate with one's inner self. "When you do things from your soul, you feel a river moving in you, a joy," said the mystic.Let us choose authenticity and gratitude, internal acceptance over external validation. Let us focus on living in the present moment. Let us choose happiness.

What it takes for a male gharial to be born, and survive

A fluctuation of a mere 1.5°C is enough to seal the fate of a gharial embryo as a male or female

At first, I couldn't grasp the significance of what my colleagues at the Wildlife Conservation Trust were telling me. I couldn't comprehend why a few sightings of male gharials along the Gandak river (that originates in Nepal, and flows through Bihar and Uttar Pradesh) during a routine river survey warranted such excitement. I didn't realise then what it took for a male gharial to survive and reproduce in the wild. Or what it took for a male gharial to simply be born.Turns out, it takes a lot!Adult male gharials are exceptionally rare and sighting them is rather special for conservationists for very good reasons. The gharial (Gavialis gangeticus) is one of the world's most critically endangered crocodilians, and being a highly sensitive species, it needs an undisturbed habitat to survive and breed successfully. Only a few thousand individuals of this fish-eating crocodile species remain in the wild. Odds in the form of anthropogenic threats are already stacked tall against the species and its riverine habitat in this human-altered world. And thanks to their reptilian reproductive biology, the sex ratio is rather skewed in favour of females.Sex determination in gharials, like in certain other reptiles, depends on the incubation temperature of the eggs. A fluctuation of a mere 1.5ºC is enough to seal the fate of a gharial embryo as a male or female. A narrow window of temperature of approximately 32ºC is when males take birth. Cooler or warmer than that, and much higher are the chances of females being born. Furthermore, experts believe that rising global temperatures could perhaps be skewing the sex ratio in gharials all the more. This is yet to be proven.

Many things have to go just right for a male gharial to be born. And it only gets more challenging from there on for this slow-growing, late-maturing species. Males reach sexual maturity at 15 to 18 years of age. They need to grow to considerable size and proportions to achieve true mating success. Gharials are some of the largest crocodilians alive and can grow up to 6 metres in length! An adult male has a bulbous knob called the ghara that sits atop the tip of its long, narrow snout. Gharas, it is believed, play a crucial role in mating rituals, and are used by males to emit acoustic signals underwater during courtship and mating. To successfully mate, the ghara of a male has to be big enough. But, tragically, according to researchers and conservationists, the bulbous gharas could also be leading to more males getting entangled in fishing nets, leading to greater injuries and casualties.There have to be enough number of adult males and females for a gharial population to be viable. When male numbers fall below a critical threshold, the populations become unviable and prone to extinction, especially smaller sub-populations. The present situation of gharials in India is rather grim. Surveys reveal that out of a handful of Indian rivers where gharials are found, they breed only in five. Most gharial-inhabited rivers have very few adult gharials, and most do not harbour even a single mature male! The gharial populations in rivers sans males are obviously incapable of reproducing.

Gharials were once widespread in the Ganges river and its tributaries flowing through the river plains of India, Nepal, Pakistan, Bangladesh and Bhutan. Today, they are found only in India and Nepal. Remarkably, the Gandak river is not protected formally across most of its length in India, and yet holds the third largest gharial population for any Indian river, after the Chambal and Ghaghra — where most gharials occur in the protected areas of the National Chambal Sanctuary and Katarniaghat Wildlife Sanctuary. Even in these rivers, adult male gharials may just be 5 to 10 per cent of the population.To a river ecologist or gharial researcher, the sight of a 5 to 6-metre-long, sexually mature male gharial tells the story of survival against all odds. It means the conditions had to be favourable at birth, and proper nutrition had to be available to grow. It would have had to successfully navigate major bottlenecks in its most vulnerable years and survive predators, fishing nets, hunters, floods, or even sudden water releases by dams built on rivers. It would have had to be a survivor.Now I understand why the sighting of even just a few adult males lends hope and holds promise for the population of this enigmatic and fascinating reptile.

Sobering Survey

Boosting growth rate a big challenge for India

The pre-Budget Economic Survey offers a sobering picture of the Indian economy, which is expected to expand by a modest 6.3-6.8 per cent in the coming financial year. This figure is nowhere near the growth rate of nearly 8 per cent that is required over the next two decades to achieve the grand goal of becoming a developed nation (Viksit Bharat) by 2047. India continues to be the fastest-growing major economy in the world, but sustaining the momentum would not be easy in the face of international trade tensions and Trump-induced protectionism. The survey has insisted on greater deregulation and reforms to enhance economic freedom and spur growth. The message to the states is loud and clear: Liberalise standards and controls on businesses to improve ease of doing business. This is an unusual throwback to then Finance Minister Manmohan Singh's landmark 1991 Budget, which had unleashed the animal spirits of the economy. It seems the BJP-led Union Government has not managed to remain oblivious to MMS's pathbreaking

policies, which have witnessed a revival of keen interest after his recent death.

The 'Make in India' initiative, launched in 2014 with the objective of transforming the country into a global hub for design and manufacturing, remains a work in progress. It's a major challenge to dovetail this flagship mission with the 'Make for the world' goal, which needs a booster shot to scale up India's export competitiveness and enhance its participation in global supply chains.The facts are inescapable: Merchandise exports have grown moderately due to sluggish global demand, while imports have increased significantly amid strong domestic demand. When it comes to trade deficit — the difference between imports and exports — India finds itself in an unenviable position vis-a-vis the majority of its top trading partners, particularly China. Signs of a thaw in bilateral ties might further skew the trade situation in favour of Beijing. Global as well as regional headwinds, besides aggravating factors like climate change, are set to test the famed resilience of the Indian economy.

Touchstones: Grandest show and, well...

THE GREAT GAME: The life-and-death battle in Prayagraj holds a lesson for the Opposition

The start of 2025 has been quite frightening so far; the latest is the mid-air collision over Washington's Potomac that resulted in all passengers losing their lives. Nearer home was the tragic death of many pilgrims in Prayag on the occasion of the Maha Kumbh, an event that is among the holiest pilgrimages to undertake for many Hindus. With the huge publicity that was unleashed on every platform, there was no one — here or abroad — who remained unmoved by the sheer scale of participation or the waves of people who came to take a holy dip this year. No one could give an accurate number: it was as if a sea of heads was headed towards the ghats on the Sangam.The Kumbh has been recorded as early as Harsha's reign by the Chinese traveller and chronicler Hieun-Tsang, and it makes one humble to be part of a ritual that pre-dates any other known religious event anywhere in the world. Hieun-Tsang has recorded how the king shed his royal robes and distributed his wealth and then forsook his royal duties to become a monk. All those who have ever lived in Allahabad will recall the special fervour that grips the city of Prayag (its ancient name) at this time and how every house is inundated with relatives and friends who come to take a dip in the Ganga during the month of Magh.A mela (called the Magh mela) springs up on the banks of the Ganga and continues for a month, with special days marked for a dip in the Sangam or Triveni, where the Ganga, Yamuna and the unseen Saraswati meet in a confluence regarded as divine. Myths and stories abound and are believed no matter how bizarre they may sound to some of us.

Diana Eck, a Harvard professor of comparative religions, has written a brilliant book, 'India's Sacred Geography', that highlights the significance of the pilgrimages that constitute our cultural and sacred geography. She once came with a band of her students to show them the celebration of the Kumbh. She gave a talk at the Jaipur

Lit Fest that year about the phenomenon of a city that comes up magically on the floodplains of the Ganga each year in the month of Magh, and then vanishes just as magically as the river flows back to reclaim its floodplain.Villagers who come on foot from far away and walk for weeks to reach the Sangam, sadhus and holy men and women from their ashrams and Himalayan caves, the Shankarcharyas, the fearful Naga sadhus who are covered in nothing but holy ash and wear just a loin cloth, with matted locks and red eyes… the list is endless. This year, there were filmstars, celebrities from abroad, politicians and ministers as there was virtually no Indian city that did not find representation there. They all managed to find their own spaces, stay connected and were fed and housed by rich donors and philanthropists. Even our Sikh jathas landed up to serve food and help the pilgrims. To say that this was unbelievable is just a cliche.However, the Kumbh also has a history of disasters: in 1954, at India's first Kumbh after Independence, a stampede caused by the unruly run of the Naga sadhus led to hundreds of deaths. In the last one 12 years ago, a bridge collapse at the railway station led to a similar tragedy, and this year, no one still has any idea of how many lost their lives on January 29. The blame game that follows is also a regular feature and it is only the poor who lose their lives and meagre belongings. No VIP suffers any discomfort or injury. The simple folk get trodden under the bandobast for the rich and famous. There is a lesson there for all to see and condemn.Let me take you back to 1966, when I witnessed the Purna Kumbh in Allahabad. I was 15 years old then and my two older sisters and younger brother were permitted to spend a night at the mela grounds as my uncle was the mela officer and our parents were unable to accompany us. Even after all these years, I can recall the thrill of being an anonymous girl in a swirl of people: we all held hands as we made our way to the river. Mind you, in those days, girls were guarded like gold and bathing in the open alongside men was unthinkable. And yet, as we stripped down to our basics, there was no sense of shame or awkwardness. That memory still warms my heart.Later, we ate poori-aloo and halwa from a dhaba (something we would never be normally allowed for fear of infection) and came back with knick-knacks picked up from the colourful stalls all along the mela. I also remember visiting the holy men and women who had special enclosures and seeing Mata Anandmai Ma is a distinct memory. I swear I thought she exuded light from her radiant face as she blessed us.Sadly, that innocent time is buried now under the glamour and glitz of CCTV cameras, drones and what have you. More people go there to take selfies and out of a fear of missing out (FOMO) than genuine bhakti. And so, the curtains come down on the grandest show on earth.

Union Budget fosters gig workers' hope for social security

BHUBANESWAR. The announcements for social security and healthcare in the Union Budget has been welcomed by the gig workers in the state.

The central government will bring one crore gig workers under PM Jan Arogya Yojana healthcare scheme and offer them identity cards following registration on the e-Shram portal, Union Finance minister Nirmala Sitharaman announced in the budget on Saturday."Currently, we are identified as partners by the online platforms that we work for. But the payments are made as per the orders delivered and there are no job benefits or security. This is for the first time, some measures have been announced for us. The Jan Arogya Yojana will at least assure us of healthcare coverage," said Rakesh Tarenia, a delivery agent of Swiggy. Food delivery platforms pay between Rs 30 and Rs 90 per order (no fixed delivery pattern) while for those working in logistics delivery, get a salary ranging from Rs 8,000 to Rs 20,000 with a fixed schedule.Sambeet Patnaik, who is into logistics delivery, said a long-standing demand of gig workers for social security will be fulfilled with their registration on e-Shram portal as it opens access to government schemes and benefits. It is a big step towards formalising the gig economy, he said.Although there is no official count on how many gig workers are currently working in the state, former Union minister of state for Labour and Employment Rameswar Teli had informed in the Lok Sabha that Odisha had 52,123 workers (27,335 male, 24,781 female, 7 transgenders) in the sector in 2021.Sources said the number has increased by almost 30-40 pc now as several new online platforms have come up besides, services like Blinkit, Instamart and popular food aggregators Swiggy and Zomato. There are several local online platforms too.

What does Budget 2025 mean to your money

New Delhi The Union Budget 2025 presents an excellent opportunity for you. It is a wonderful time to review your finances and make a projection for the year ahead. That is similar to the announcement Finance Minister Nirmala Sitharaman made on Saturday.

She presented an income and expenditure statement for the year gone by. She also touched upon estimates for the financial year ahead. She demonstrated an action plan to plug economic gaps and take relevant measures to stimulate growth. Her team worked to allocate resources based on the global and domestic macroeconomic picture.

Two markets react immediately to the Budget. While equity markets reacted benignly to the finance minister's speech, bond markets were shut on Saturday. Both markets want the government to be fiscally prudent and manage the government borrowing programme efficiently so that there is money in the banking system for businesses to stimulate growth. Analysts' reactions to the credibility of the government data were positive.

That means the government may have just ticked the right boxes. Overall, the Budget anticipates pressure on growth and outlines risks due to geo-politics in 2025-26. There are two ways the Budget affects you. First is as a taxpayer and saver, and second, as an investor.For the past few quarters, the urban consumer has not spent enough. If you listen to company management that rides on the money we spend, they have produced a below-par performance. The solution to low consumption is to put more money in the hands of the spending class.

The new government's first year is a good time to please the middle class in India. It was mentioned in The New Indian Express on Sunday that there were barely seven taxpayers for every 100 voters in India. While the urban middle class drives consumption, it does not matter much to politicians as we head into primary, provincial and general elections.

The Role of Gold in Hedging Equity

NEW DELHI. Gold yielded the best returns across traditional asset classes in the last quarter of 2024. Smart investors have historically used gold as a natural hedge in their portfolios to their equity holdings as in periods of crisis, when equities tend to consolidate or weaken, gold has surged.This was clearly witnessed in the early months of 2020, when the first Covid wave swept across the globe. After a brief lull, it was witnessed again following the break-out of hostilities between Russia and Ukraine that escalated into a full-blown war. A weakening US dollar back then and the near complete collapse of several crypto-currencies had investors rushing back to the relative safety of the precious yellow metal, historically known to be the asset class of the last refuge.Other than commodity traders who deal in the precious metal and are not averse to selling it when found profitable to, the rest, by and large, tend to hoard and pass gold down their generations. This trend is unlikely to change soon.

What has changed though is the growing number of investors who prefer to use gold as a pure investment avenue and accumulate it with the clear-cut intention of profiting from it at the appropriate time. So, what are the common investment avenues used by those that invest in gold? Exchange traded Funds (ETFs), Fund of Funds and till lately, Sovereign Gold bonds.Gold ETFs are units representing physical gold in dematerialised form. One Gold ETF unit is equal to 1 gram of 24k gold, and is backed by physical gold of very high purity. Gold ETFs combine the flexibility of stock investment and the simplicity of gold investments and are listed at the premier stock exchanges, and traded just like the stock of any company.

Auto sales: Maruti, Mahindra lead; Hyundai, Tata decline

Maruti Suzuki India (MSIL) reported its highest-ever total monthly sales tally in January 2025 with 2,12,251 units sold as against 199,364 units sold in January 2024.

NEW DELHI. Led by market leader Maruti Suzuki and SUV specialist Mahindra & Mahindra, India's car sales (dispatches to dealers) saw a moderate rise in January 2025. This growth at the start of the new year is a welcome boost for the industry, which faced challenges in achieving consistent growth throughout 2024.Maruti Suzuki India (MSIL) reported its highest-ever total monthly sales tally in January 2025 with 2,12,251 units sold as against 199,364 units sold in January 2024. The carmaker's domestic dispatches last month stood at 173,599 vehicles, up 4% y-o-y. This is also MSIL's highest monthly domestic dispatches in the first 10 months of FY2025, even surpassing the festive heavy month of October 2024 when it had sold 159,591 units.

MSIL's mini and compact cars bucked the slowdown trend seen in this segment as sales here grew to 96,488 units in January 2025 as against 92, 382 units in the same month last year. The maker of Thar and Scorpio SUVs- Mahindra & Mahindra - sold 50,659 vehicles in the domestic market in January 2025, a growth of 18% y-o-y and overall, 52,306 vehicles, including exports. Veejay Nakra, President of Automotive Division, M&M, said, "Our Electric Origin SUVs, BE6 and XEV 9E garnered a lot of interest at the recently concluded Bharat Mobility Global Expo held in New Delhi."Hyundai Motor India Limited (HMIL) and Tata Motors, however, registered a decline in sales. HMIL's wholesales stood at 54,003 units in January 2025, a fall of 5% y-o-y. Tata Motors' domestic sales also took a hit in January 2025. It sold 48,076 PVs in January 2025, a decline of 10% y-o-y.

Markets in red: Sensex drops 500 points, rupee hits record low

New Delhi Benchmark stock market indices tanked in early trade on Monday, falling nearly 1%, reacting to Budget 2025 and global cues, led by a decline in IT, metal, and energy stocks.The S&P BSE Sensex plunged 516.30 points to 76,989.66, while the NSE Nifty50 fell by 230.90 points to 23,251.25 as of 9:25 AM.

Rupee also hit an all-time low, breaching 87 per US dollar for the first time. It fell 54 paise as US President Donald Trump's tariffs threat shook Asian currencies.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that despite an excellent Budget the market will be under pressure from the Trump tariffs and the heightened global uncertainty these 'initial round of tariffs' has triggered.

"It is important to understand that the 25% tariffs imposed on Mexico and Canada are to punish them for issues like immigration and illicit trade in fentanyl. Trump may use tariffs again against other countries on non-trade issues. China's response to the 10% tariffs has been more responsible. For now, they have not reacted like Mexico and Canada by imposing tariffs on imports from the US. Instead, they are moving the WTO against the US

action," he added.

ITC Hotels emerged as the top performer, surging 3.66%, while Bajaj Finance showed strong momentum with a 2.25% rise. Eicher Motors advanced 2.21%, followed by Maruti Suzuki India gaining 2.13%. Bajaj Finserv completed the top gainers list with an even 2% increase.On the losing side, Bharat Electronics Limited witnessed heavy selling, tumbling 5.27%. Infrastructure major Larsen & Toubro dropped 4.34%, while Bharat Petroleum Corporation fell 4.01%. Power utility NTPC declined 3.98%, and Coal India slipped 3.67%.

The day's early trading highlighted a clear divide, with consumer-focused and financial stocks finding favour while infrastructure and energy companies remained under pressure.

"Now we don't know how this will pan out. For now, India is not affected. Therefore, the impact on the Indian market will be less. But the spike in the dollar index to above 109.6 will trigger more selling by FIIs putting the market under pressure. Domestic consumption stocks will be relatively resilient since they stand to benefit from the income tax cuts announced in the Budget," said Vijayakumar.All the sectoral indices were trading in red other than Nifty consumer durables given the tax relief provided by the Finance Minister in her recent budget speech.

Rupee plunges to 87.29 as Trump's tariffs spark market turmoil

MUMBAI: The rupee, which has been sliding since October and lost over 4%, plunged to 87.29 in opening trade on Monday.The drop came after US President Donald Trump imposed 25% tariffs on Canada and Mexico and 10% on Chinese goods from Saturday. In retaliation, the three nations announced counter-tariffs on American goods.

Following this tariff wars, the dollar index, which measures the strength of the greenback against a basket of six major currencies, surged 1.35% to 109.83. These currencies are the euro, the Japanese yen, the British pound, the Canadian dollar, the Swedish krona and the Swiss franc. The Trump action has sent panic in Asian markets and Dalal Street was not immune to it. The benchmarks fell more than 1% each in morning trade and trading down 90 bps at 1200 hrs.After tanking to 87.26 for the first time in opening trade, the rupee was trading at 87.15 at 1140 hours. The surge in the dollar index has created a panic in the market leading to a safe haven demand for the American unit, which is the world's strongest and safest currency. However, the government bond yields remained steady at 6.67% but crude spiked in overseas markets with Brent crude, the global benchmark, rising towards USD 76/barrel after the Trump action fuelling supply concerns.However, crude prices may face downward pressure as trade tensions escalate, potentially slowing global growth and weakening energy demand, said market participants. "The fear of tariffs has come true. There is safe-haven demand," a dealer at a state-owned bank said, adding more pain is on the way for the rupee as Trump is unlikely to leave Indian goods in his next round of punitive tariffs.Another reason for this that the market is fearing that the rupee pain is likely to continue in the near term is that the Reserve Bank has reduced its intervention in the foreign exchange market—as visible from the latest forex data wherein it was reported a marginal rise in the reserves after losing for almost three months continuously. "The optimism on the back of the budget has been compromised due to rise in US yields," said a dealer at a state-owned bank. Anshul Chandak, head of treasury at RBL Bank, expects the rupee stay under pressure over the next 6–8 weeks.The dollar's strength has affected other Asian currencies as well, including the Chinese yuan. And since the yuan and rupee often move in the same direction, this decline has also put pressure on the Indian currency.The tariffs imposed by Donald Trump have also fuelled worries of a full-scale trade war, with global brokerage firm Morgan Stanley saying that "the risk of our worst fears materialising has risen.

Why rupee fell past 87 against US dollar to a record low

New Delhi The Indian rupee hit a record low of over 87 against the US dollar for the first time ever on Monday as a reaction to US President Donald Trump's tariffs. Asian currencies and equities also slumped as a result of the tariffs, which have sparked fears of a trade war.

The Indian rupee (INR) dropped to an all-time low of Rs 87.1450 per dollar, down 0.6% from Friday. It may be noted that the rupee has fallen almost 4% since October 2024.

Anshul Chandak, head of treasury at RBL Bank, told news agency Reuters that the macros "look stacked up against the rupee". "We expect it to stay under pressure over the next 6–8 weeks, Chandak said.

WHAT TRIGGERED THE SLIDE?The sharp fall in the rupee was mainly triggered by three executive orders signed by Trump over the weekend. These orders imposed 25% tariffs on

Mexican and Canadian imports and 10% tariffs on goods from China, starting Tuesday.

The new trade restrictions have boosted the value of the US dollar, making it stronger against most global currencies.The US dollar's strength has affected other Asian currencies as well, including the Chinese yuan. And since the yuan and rupee often move in the same direction, this decline has also put pressure on the Indian currency.The dollar index (which measures the US dollar against six major currencies) also rose 0.3% to 109.8.

The tariffs imposed by Donald Trump have also fuelled worries of a full-scale trade war, with global brokerage firm Morgan Stanley saying that "the risk of our worst fears materialising has risen""Risks are skewed towards further escalation. Asia will be exposed on account of high trade orientation and seven economies run large trade surpluses with the US," it added.

Not just the rupee, but Indian stock markets also tanked as a result of the Trump tariffs, which overshadowed the positive impact of the Union Budget 2025.

Volkswagen sues Indian authorities over $1.4 billion tax notice

The tax dispute began in September 2024, when Indian authorities issued a $1.4 billion tax notice to Volkswagen's Skoda Auto Volkswagen India

NEW DELHI. German carmaker Volkswagen has filed a lawsuit against Indian authorities, seeking to cancel a $1.4 billion tax demand, calling it "impossibly enormous" and contradictory to India's import tax rules, reported news agency Reuters.

The company has warned that this dispute could impact its $1.5 billion investments in India and harm the country's foreign investment climate, according to court documents reviewed by Reuters.The tax dispute began in September 2024, when Indian authorities issued a $1.4 billion tax notice to Volkswagen's Skoda Auto Volkswagen India unit. Officials alleged that Volkswagen misclassified its imports to pay lower customs duties.According to the government, Volkswagen broke down imports of some VW, Skoda, and Audi cars into separate components, instead of declaring them as completely knocked down (CKD) units.CKD units attract a higher 30-35% import tax. Individual car parts are taxed at a lower 5-15% rate.Authorities claim Volkswagen imported nearly complete vehicles in an unassembled condition but used a loophole to pay less tax by classifying them as separate parts.Volkswagen's defence: The government knew about this modelVolkswagen has denied any wrongdoing and says it had been transparent about its import model.

The company argues that it informed Indian authorities in 2011 about its "part-by-part import" method and had received official clarifications supporting this approach.The lawsuit, filed on January 29 in the Mumbai High Court, as quoted by Reuters, said, "The tax notice is in complete contradiction of the position held by the government ... (and) places at peril the very foundation of faith and trust that foreign investors would desire to have in the actions and assurances of the administration."Volkswagen has said it is using all legal options while continuing to cooperate with authorities to ensure compliance with local and global laws.A government source told Reuters that if Volkswagen loses the case, the total tax and penalty amount could reach $2.8 billion.For context, in 2023-24, Volkswagen India reported sales of $2.19 billion (Rs 18,100 crore) and made a net profit of just $11 million.This means the tax penalty could be far greater than Volkswagen India's annual revenue and multiple times its profit.

Several candidates with stints in jail contesting Delhi polls

According to political experts, candidates having been to jail at some point, does not necessarily affect their popularity as politicians. In some cases, if a politician does benefit in terms of public sympathy by being jailed, it does not necessarily translate into votes.

NEW DELHI. From AAP chief Arvind Kejriwal to his long-time loyalist Manish Sisodia, riots accused Tahir Hussain and Shifa-ur Rehman, several candidates in fray for Delhi Assembly polls have been to jail in connection with different cases, including corruption and riots.

According to political experts, candidates having been to jail at some point, does not necessarily affect their popularity as politicians. In some cases, if a politician does benefit in terms of public sympathy by being jailed, it does not necessarily translate into votes.

Former Delhi chief minister Arvind Kejriwal was arrested ahead of Lok Sabha polls last year in connection with a money laundering case related to the now-scrapped Delhi excise policy. While he got a brief bail to campaign for Lok Sabha polls, he was granted an interim bail in the case in September last year with several conditions, including not accessing the CM office.Two days later, he resigned as chief minister, saying he will only hold the post when the public declares him honest. Party leader Atishi was then sworn in for the post, becoming Delhi's third woman chief minister.

Kejriwal has been maintaining during his Assembly poll campaign that he was arrested as the BJP wanted to project him as a "chor" (thief) but even his "fiercest enemy" believes he is not corrupt.

BJP, however, has been attacking him for wearing his stint in jail as a "badge of honour".Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma on Sunday said at a public meeting that he is going around and proudly telling people about his stint in jail like he was jailed during the freedom struggle movement."He went to jail in connection with a liquor case, corruption case, he should be ashamed". According to Abhishek Giri, a political science professor at Delhi University, going to jail does not necessarily affect the election outcomes of candidates.

"Many politicians have some or the other criminal cases against them but not all of them have an impact on their electoral careers. In case of Arvind Kejriwal, he was seen as an anti-corruption crusader, so being jailed in a corruption case was definitely seen as a dent in his political image. However, I don't think so the fact that he was jailed will take precedence over the free water and electricity and other work done by AAP, when Delhiites vote in the upcoming elections," he told .

Azhar Mehboob, a political science scholar at Jamia Millia Islamia, said whatever image people make of a politician when he or she is jailed, is not always linked to voting patterns."Irrespective of any political party, the way people perceive political candidates going to jail has been somewhat similar in the past. Some politicians gain sympathy while some outrage but votes are polled mostly on the basis of other factors," he said.

3 in custody over rape-murder of Dalit woman in Ayodhya

The naked body of the woman, who was reported missing since January 27, was found near a canal on Saturday. Her family has claimed that her eyes were missing and there were marks of deep injuries, as well as fractures.

NEW DELHI. Police in Ayodhya have taken three people into custody in connection to the rape and murder of a Dalit woman, whose naked body was found near a canal over the weekend. Although there were no immediate details on the accused, authorities were expected to provide information during a press conference later in the day.

The 22-year-old woman had been missing since January 27. Her family has claimed that she was murdered and alleged that the body bore deep cut marks, fractures and the eyes were also missing.

After lodging a missing complaint, her family launched a search operation. The woman's brother-in-law found the body on Saturday near the canal, located about 500 metres away from the victim's village. Locals have claimed that the woman's sister and two other women fainted on seeing the horrific condition of the body, news agency PTI reported.

A police officer has confirmed that the body has been sent for post-mortem and the cause of death will be ascertained once the reports are in. The family has also accused the police of negligence, saying that a search operation for the woman was not launched immediately despite the filing of the missing report. On Monday, Nagina MP Chandrashekhar Azad protested in front of the BR Ambedkar statue in Parliament against the case. Azad, president of Azad Samaj Party (Kanshi Ram), slammed the state police for inaction and told Aaj Tak, India Today's sister channel, that there was no response for three days until the body was found by the victim's family.

"The entire country, including myself, is feeling the pain of this incident. No parent would like to see their child in a condition like that of the woman who was gang-raped and then killed. I do not see any justice being delivered, neither by the police nor the government," he said.

Supreme Court says Kumbh stampede unfortunate but rejects plea: Go to High Court

New Delhi. The Supreme Court on Monday called the Maha Kumbh stampede, which claimed the lives of 30 people on January 29, an "unfortunate" incident and rejected the plea seeking action against Uttar Pradesh officials. The court asked the petitioner, Advocate Vishal Tiwari, to go to the Allahabad High Court. "It is an unfortunate incident and a matter of concern, but approach the High Court. A judicial commission has already been constituted," the Chief Justice of India, Sanjiv Khanna, told Tiwari, who raised concerns over the recurring stampede incidents. Representing the state, senior advocate Mukul Rohtagi told the bench a judicial probe was ongoing into the stampede incident. He also pointed to a similar plea that is filed in the High Court.

Delhi HC Grants Interim Bail To Unnao Rape Case Accused Kuldeep Sengar For Eye Surgery

The court was informed by the leader's counsel that Sengar's surgery was not performed earlier on the scheduled date due to circumstances beyond his control

New Delhi. The Delhi High Court on Monday granted interim bail till February 4 to expelled BJP leader and Unnao rape case convict Kuldeep Singh Sengar for undergoing an eye surgery. A bench of Justices Yashwant Varma and Harish Vaidyanathan Shankar suspended his sentence, noting that Sengar's cataract surgery is fixed for Tuesday at the All India Institute of Medical Sciences here. The court directed him to surrender before the jail authorities on February 5.

"... we are of the opinion that the sentence warrants to be suspended for the purpose of applicant's medical procedure which is fixed for February 4, 2025 subject to conditions identical to those set forth in December 20, 2024 order. The applicant shall surrender on February 5 before the jail superintendent," the bench said. The court was informed by the leader's counsel that Sengar's surgery was not performed earlier on the scheduled date due to circumstances beyond his control. He submitted that two more days are needed as Sengar needs to be admitted to the AIIMS for the medical procedure which is now fixed for February 4.

The court had earlier also granted interim bail to the politician for the surgery. The plea was opposed by the survivor's lawyer who argued that Sengar could not be given interim bail endlessly.

Sengar's plea for extension of interim bail, which formed part of his appeal against the December 2019 trial court's verdict in the rape case, is pending before the high court. He has sought setting aside of his conviction and sentence. The minor girl was allegedly kidnapped and raped by Sengar in 2017.

The rape case and other connected cases were transferred to Delhi from a trial court in Uttar Pradesh on the directions of the Supreme Court on August 1, 2019.

Trump 2.0 policy shifts mirror India playbook?

Donald Trump's policy shifts in his second term as the United States President mirror India playbook - prioritisation of national interests over traditional alliances.

NEW DELHI."Why should India pay higher prices just to make you (Europe) happy?", India's External Affairs Minister S Jaishankar made a bold statement in November 2024 amid growing criticism of India's oil imports from Russia. As pressure mounted on India to sever ties with Moscow amid the Ukraine war, Jaishankar firmly defended India's position, reiterating, "Is that a problem? Why should that be a problem?" This unapologetic stance—balancing ties with the US while maintaining trade with Russia—echoes the very philosophy that US President Donald Trump has embraced now in his economic policies. When Trump imposed tariffs on allies like Mexico and Canada, declaring that "It will all be worth the price that must be paid," he underscored the prioritisation of national interests over traditional alliances—a strategy that mirrors India's longstanding approach to foreign policy.

Under Trump 2.0, the United States has shifted its strategy, with nations like China, Mexico, and Canada now in the crosshairs. This pivot aligns closely with India's approach to international relations, where national interests trump alliance-building. Trump has gone now as far as to alienating traditional partners. Trump's "America First" mantra, which sparked a trade war through sweeping tariffs, reflects a similar philosophy: prioritising self-interest over multilateral cooperation, regardless of criticism. In many ways, Trump's policies appear to be a clear adaptation of India's approach, marking a new chapter in US foreign policy.

Supreme Court seeks report on audio clips alleging Biren Singh's role in violence

A two-judge bench comprising Chief Justice of India Sanjiv Khanna and Justice Sanjay Kumar sought the report based on a writ petition filed by the Kuki Organization for Human Rights Trust, which has called for an independent probe into the alleged clips.

NEW DELHI. The Supreme Court on Monday sought a report from the Central Forensic Science Laboratory on leaked audio clips suggesting Manipur Chief Minister N Biren Singh's alleged involvement in the state's ongoing ethnic violence that has killed more than 200 people and left thousands homeless since it first erupted in May 2023.

A two-judge bench comprising Chief Justice of India Sanjiv Khanna and Justice Sanjay Kumar sought the report based on a writ petition filed by the Kuki Organization for Human Rights Trust, which has called for an independent probe into the alleged clips. The bench has scheduled the next hearing for March 24.

The ethnic violence in Manipur erupted on May 3, 2023, between the majority Meiteis and the Kukis over quotas and economic benefits. The Centre has deployed forces in vulnerable zones bordering the hill and valley districts, leading to a dip in incidents of firing in peripheral areas. Appearing for the Kuki organisation, lawyer Prashant Bhushan said the audio clips were examined by Truth Labs -- the country's only full-fledged independent forensic science lab based in Delhi.

The lab certified that the voice in the clips was a 93 per cent match to that of Biren Singh's. Bhushan told the court that the recording took place at a closed-door meeting, in which the Chief Minister can be heard saying that he ensured protection to the Meitei community from arrest and also allowed them to steal from the state armoury, reports LiveLaw.

Maha Kumbh's last Amrit Snan on Basant Panchami, over 62 lakh take holy dip

Maha Kumbh: The Amrit Snan is the grandest and most sacred ritual of the Maha Kumbh Mela, attracting millions of pilgrims from around the world to the banks of the Triveni Sangam.

New Delhi. Hundreds of thousands of devotees, saints, sadhus and akhadas took part in the Amrit Snan on the occasion of Basant Panchami at the Maha Kumbh on Monday, as Prayagraj followed Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath's "zero error" directive for the final holy bath.

At the break of dawn, different akhadas, led by their Mahamandleshwars, held their ceremonial journey towards the Triveni Sangam and performed the Amrit Snan at around 5 am, which is the grandest and most sacred ritual of the Maha Kumbh Mela, attracting millions of pilgrims from around the world.

According to the Uttar Pradesh Information Department, more than 62.25 lakh devotees have taken the holy dip as of 8 am, with over 35 crore pilgrims taking part till Sunday. On Sunday alone, about 1.20 crore people participated in the ritual. Authorities estimate that the number of devotees taking the holy dip is expected to cross 50 crore as 23 days are still left for the Mela to conclude.

For the smooth conduct of the event, a zero-error directive was issued by the Chief Minister, in the wake of a deadly stampede during a previous snan on January 29 where at least 30 people died and over 60 were injured.

Following tradition, the akharas of the three sects--Sanyasi, Bairagi, and Udaseen--are taking their holy dip in a predetermined sequence, with the initial groups already immersed in the sacred confluence of the Ganga, Yamuna, and the mythical Saraswati.

Yogi Adityanath extended his "heartfelt wishes" to saints and devotees on the occasion. "Heartiest wishes to revered saints, religious leaders, all Akharas, Kalpvasis and devotees who earned virtue by taking the holy Amrit bath at the sacred Triveni Sangam on the auspicious occasion of Basant Panchami in Maha Kumbh-2025, Prayagraj!," he tweeted.

So far, over 33 crore devotees have taken a dip at the Maha Kumbh and the Uttar Pradesh government expects a footfall of around five crore pilgrims on Monday alone.

To oversee the smooth conduct of the Maha Kumbh Mela, the government has also deployed two senior IAS officers, who were part of the team that successfully conducted the 2019 Ardh Kumbh.

Ashish Goyal and Bhanu Chandra Goswami, who have hands-on experience in administration in Prayagraj, including a deep insight into crowd management and inter-agency coordination during the 2019 Ardh Kumbh, have joined Mela Adhikari Vijay Kiran Anand, forming a trio that was part of the mega fair six years ago. The crowd control measures in the fair area are being overseen by the Additional Director General of Police, Bhanu Bhaskar, himself.

3 in custody over rape-murder of Dalit woman in Ayodhya

NEW DELHI. Police in Ayodhya have taken three people into custody in connection to the rape and murder of a Dalit woman, whose naked body was found near a canal over the weekend. Although there were no immediate details on the accused, authorities were expected to provide information during a press conference later in the day.

The 22-year-old woman had been missing since January 27. Her family has claimed that she was murdered and alleged that the body bore deep cut marks, fractures and the eyes were also missing.

After lodging a missing complaint, her family launched a search operation. The woman's brother-in-law found the body on Saturday near the canal, located about 500 metres away from the victim's village.

Locals have claimed that the woman's sister and two other women fainted on seeing the horrific condition of the body, news agency PTI reported.

A police officer has confirmed that the body has been sent for post-mortem and the cause of death will be ascertained once the reports are in.

The family has also accused the police of negligence, saying that a search operation for the woman was not launched immediately despite the filing of the missing report.

On Monday, Nagina MP Chandrashekhar Azad protested in front of the BR Ambedkar statue in Parliament against the case. Azad, president of Azad Samaj Party (Kanshi Ram), slammed the state police for inaction and told Aaj Tak, India Today's sister channel, that there was no response for three days until the body was found by the victim's family.

"The entire country, including myself, is feeling the pain of this incident. No parent would like to see their child in a condition like that of the woman who was gang-raped and then killed. I do not see any justice being delivered, neither by the police nor the government," he said.

NEWS BOX

USAID security leaders on leave after trying to keep Musk's DOGE from classified info, officials say

WASHINGTON. The Trump administration has placed two top security chiefs at the U.S. Agency for International Development on leave after they refused to turn over classified material in restricted areas to Elon Musk's government-inspection teams, a current and a former U.S. official told The Associated Press on Sunday.Members of Musk's Department of Government Efficiency, known as DOGE, eventually did gain access Saturday to the aid agency's classified information, which includes intelligence reports, the former official said.

Musk's DOGE crew lacked high-enough security clearance to access that information, so the two USAID security officials — John Vorhees and deputy Brian McGill — were legally obligated to deny access.The current and former U.S. officials had knowledge of the incident and spoke on condition of anonymity because they were not authorized to share the information.It comes a day after DOGE carried out a similar operation at the Treasury Department, gaining access to sensitive information including the Social Security and Medicare customer payment systems.Musk formed DOGE in cooperation with the new Trump administration with the stated goal of finding ways to fire federal workers, cut programs and slash federal regulations.

Funeral For Slain Hezbollah Leader Hassan Nasrallah Set For Feb 23, Five Months After His Killing

BEIRUT. The Lebanese Hezbollah group Sunday announced the funeral of its longtime leader will take place on Feb. 23, months after he was assassinated in a series of Israeli airstrikes in a southern Beirut suburb. Secretary-General Naim Kassem made the announcement regarding his predecessor Hassan Nasrallah in a prerecorded speech. It came days after a US-brokered ceasefire agreement that ended the war between the Lebanese militant group and Israel was extended until February 18.

Nasrallah was killed on Sept. 27 after a series of Israeli airstrikes struck several buildings in a southern Beirut suburb. A top security aide said Nasrallah was inside the militant group's war operations room when the strikes took place. Israeli troops are still present in parts of southern Lebanon, where under the ceasefire agreement they are supposed to gradually withdraw while Hezbollah's militants withdraw north of the Litani River as Lebanese army soldiers disperse. Residents of those villages, many waving Hezbollah flags, have been protesting in those villages and have scuffled with Israeli troops, which Kassem praised.“The South says that there is no possibility for Israel to remain in it, there is no possibility for Israel to remain an occupier, and let everyone know that the sacrifices, no matter how great, will ultimately lead to the liberation of the land and the exit of Israel,” said Kassem. Earlier on Sunday, Israeli forces opened fire to disperse protesters in the southern villages of Yaroun and Kfar Kila. The Lebanese Health Ministry did not announce any casualties.Last week, 24 protesters were killed after Israeli troops opened fire on them, according to the health ministry. Despite its military capabilities largely destroyed in the war, Israel says it needs to remain in the country longer to take out Hezbollah's military infrastructure, including its tunnel network.

US Deals Indirect Blow To China; Warns Panama To Reduce Chinese Influence Or Face 'Necessary Measures'

World Days after implementing tariffs on China and Canada, the United States is now urging other nations to curb Chinese influence. U.S. Secretary of State Marco Rubio warned Panama about China’s growing control over the Panama Canal, calling the situation "unacceptable" and stating that the U.S. will take "necessary masures" if changes are not made.

During a meeting on Sunday in Panama City with Panamanian President Jose Raul Mulino and Foreign Minister Javier Martinez, Rubio relayed U.S. President Donald Trump’s concerns."I met with Panamanian President Jose Raul Mulino and Foreign Minister @javierachapma to make clear that the United States cannot, and will not, allow the Chinese Communist Party to continue with its effective and growing control over the Panama Canal area. We also discussed efforts to end the hemisphere’s mass migration crisis and ensure fair competition for U.S. firms," said Rubio on X.U.S. President Donald Trump "has made a preliminary determination that the Chinese Communist Party’s current influence and control over the Panama Canal area is a threat," State Department spokesperson Tammy Bruce said in a statement.Secretary of State Marco Rubio reinforced this stance, calling the situation "unacceptable" and warning that if "immediate changes" are not made, the U.S. will take necessary measures to protect its rights under the Treaty concerning the Permanent Neutrality and Operation of the Panama Canal.Rubio arrived in Panama on Saturday, marking his first official trip since assuming the role of the United States' top diplomat.Rubio's choice to visit Central America - Panama, El Salvador, Costa Rica, Guatemala, and the Dominican Republic - is intentional and meant to drive forward the Trump agenda by "paying closer attention to our own neighbourhood," CNN reported. Trump in his inaugural address on January 20, claimed that China is "operating" the Panama Canal and US is going to "take it back" as the US has been treated 'unfairly.'After being sworn in as the 47th US President at the US Capitol in Washington, DC, he said, "The United States, I mean, think of this.

U.S. Secretary of State Rubio says Panama must reduce Chinese influence around the canal or face possible US action

PANAMA CITY. U.S. Secretary of State Marco Rubio brought a warning to Panamanian leader José Raúl Mulino on Sunday, "Immediately reduce what President Donald Trump says is Chinese influence over the Panama Canal area or face potential retaliation from the United States."Rubio, traveling to the Central American country and touring the Panama Canal on his first foreign trip as top U.S. diplomat, held face-to-face talks with Mulino, who has resisted pressure from the new U.S. government over management of a waterway that is vital to global trade.

Mulino told reporters after the meeting that Rubio made “no real threat of retaking the canal or the use of force."Speaking on behalf of Trump, who has demanded that the canal be returned to U.S. control, Rubio told Mulino that Trump believed that China’s presence in the canal area may violate a treaty that led the United States to turn the waterway over to Panama in 1999. That treaty calls for the permanent neutrality of the American-built canal.

“Secretary Rubio made clear that this status quo is unacceptable and that absent immediate changes, it would require the United States to take measures necessary to protect its rights under the treaty,” the State Department said in a summary of the meeting.The statement was unusually blunt in diplomatic terms, but in keeping with the tenor and tone Trump has set for foreign policy. Trump has been increasing pressure on Washington's neighbors and allies, including the canal demand and announcing Saturday that he was imposing major tariffs on Canada and Mexico. That launched a trade war by prompting retaliation from those close allies.

Mulino, meanwhile, called his talks with Rubio “respectful” and “positive” and said he did not “feel like there’s a real threat against the treaty and its validity."The president did say Panama would not be renewing its agreement with China’s Belt and Road Initiative when it expires. Panama joined the initiative, which promotes and funds infrastructure and development projects that critics say leave poor member countries heavily indebted to China, after dropping diplomatic recognition of Taiwan and recognizing Beijing.Rubio later toured the canal at sunset with its administrator, Ricaurte Vásquez, who has said the waterway will remain in Panama's hands and open to all countries. Rubio crossed the lock and visited the control tower, looking down over the water below, where a red tanker was passing through.

Earlier, about 200 people marched in the capital, carrying Panamanian flags and shouting “Marco Rubio out of Panama,” “Long live national sovereignty” and “One territory, one flag” while the meeting was going on. Some burned a banner with images of Trump and Rubio after being stopped short of the presidential palace by riot police.Rubio also pressed Trump’s top focus — curbing illegal immigration — telling Panama's president that it was important to collaborate on the work and thanked him for taking back migrants. Rubio’s trip, however, comes as a U.S. foreign aid funding freeze and stop-work orders have shut down U.S.-funded programs targeting illegal migration and crime in Central American countries.

Aid is surging into Gaza under ceasefire; Is it helping

JERUSALEM. Two weeks after the ceasefire between Hamas and Israel took effect, aid is flooding into the Gaza Strip, bringing relief to a territory suffering from hunger, mass displacement and devastation following 15 months of war.

But Palestinians and aid workers say it’s still an uphill battle to ensure the assistance reaches everyone. And looming large is the possibility that fighting will resume if the ceasefire breaks down after the six-week first phase.As part of the ceasefire agreement, Israel said it would allow 600 aid trucks into Gaza each day, a major increase. Israel estimates that at least 4,200 trucks have entered each week since the ceasefire took hold.

Humanitarian groups sa aid distribution is complicated by destroyed or damaged roads, Israeli inspections and the threat of unexploded bombs.On Saturday, Samir Abu Holi, 68, watched over a food-distribution point in Jabaliya, an area in northern Gaza razed to the ground during multiple Israeli offensives, the most recent of which cut off nearly all aid for over a month.“I have more than 10 children. All of them need milk and food. Before the ceasefire, we used to provide food with difficulty,” he said. “Today there is a little relief."Here’s a closer look at

the aid situation.The main U.N. food agency, the World Food Program, said it dispersed more food to Palestinians in Gaza during the first four days of the ceasefire than it did, on average, during any month of the war. Over 32,000 metric tons of aid have entered Gaza since the ceasefire, the agency said last week.Aid is now entering through two crossings in the north and one in the south. Aid agencies said they are opening bakeries and handing out high-energy biscuits, and Hamas police have returned to the streets to help restore order.Before the ceasefire, aid organizations said delivery was complicated by armed gangs looting the trucks, attacks on aid workers, arduous Israeli inspections and difficulties coordinating with COGAT, the Israeli military body charged with facilitating aid. Israel blamed the U.N. and humanitarian organizations for failing to deliver aid once it reached Gaza.There’s now the “political will to make everything else work,” said Tania Hary, executive director of Gisha, an Israeli organization dedicated to protecting Palestinians’ right to move freely within Gaza.“COGAT is fast-tracking responses to coordination requests. It’s allowing two crossings instead of one to operate in the north. The ceasefire is allowing Hamas forces to operate freely to stop looting … and the lack of hostilities allow aid agencies to move freely and safely,” Hary said.

North Korea slams US Secretary of State Rubio for calling it a 'rogue state', dismisses remark as 'nonsense'

SEOUL. North Korea on Monday criticised Marco Rubio for calling the country a "rogue state", dismissing a comment made by the top US diplomat during a recent interview as "nonsense".

In Pyongyang's first public denunciation of the new Trump administration, a foreign ministry spokesman said that the nuclear-armed country would "never tolerate any provocation of the US".North Korea "will take tough counteraction", against any US actions, according to a statement carried on state news service KCNA.The comments come after US President Donald Trump said he would "reach out" to North Korean leader Kim Jong Un, after previously meeting with him during his first term.In a recent radio interview, Rubio mentioned North Korea and Iran as "rogue states" that "you have to deal with" when making foreign policy decisions.The foreign ministry

spokesman dismissed Rubio's "nonsense" remarks, which "thoughtlessly tarnish the image of a sovereign state as a grave political provocation".

Rubio's comments were "nothing new" and "it would be more surprising if he had said (a) good word about the DPRK", he added, using the official acronym for the North.Issued from such a high level -- the foreign ministry -- Pyongyang's statement carries "significant weight" according to analyst Hong Min.

"The statement interestingly is a mixed signal," said Hong, a senior analyst at the Korea Institute for National Unification."While it outwardly criticises the US, the statement subtly outlines North Korea's expectations. Essentially, it's providing a guide for how North Korea hopes the Trump administration will approach diplomacy moving forward," he told AFP.

Largely cut off from the world diplomatically and economically, and under a bevy of sanctions, North Korea's nuclear weapons programme has been a major thorn in the side of the United States for years.

Move To Safe Locations Immediately': Embassy Issues Advisory For Indians In Congo

Congo Crisis. Violence in the Central African nation of Congo has reached its peak, with rebels seizing control of the capital, Goma. Amid the escalating insurgency, millions of people are trapped in the region. They are left with only two options—either seek refuge with the weak and disorganized national army or flee to neighbouring Rwanda, which has been accused of supporting the March-23 or M-23 rebels. The Indian Embassy in Kinshasa has issued an advisory for Indian nationals urging them to move to safe locations immediately."The Embassy of India in Kinshasa is closely monitoring the security situation in eastern Democratic Republic of the Congo (DRC). We have noted the reports of M23 rebel movements towards Bukavu, located around 200 kms from Goma. Given the potential for instability in the region, all Indian nationals residing in Bukavu are advised to depart to safer locations while the airports, borders and commercial routes are still open. We strongly recommend against any travel to Bukavu," said the Indian Embassy in Congo.The Embassy also said it is limited in its ability to provide consular services/ assistance under the present circumstances. It asked Indians to carry their essential identity and travel documents all the time besides keeping necessary items like medicine, clothing, and food. It also asked Indians to prepare a personal emergency plan that doesn’t rely upon support of the Indian Embassy.Since the rebels took

control, Congo’s army has been unable to protect the civilians, making the situation increasingly dire. The crisis is especially severe for women and children. Hundreds of residents have been displaced from Goma, and despite calls from the rebels to return home, fear keeps them from doing so. Reports indicate that rebels are breaking into homes and committing sexual violence against women and girls, forcing many to flee for safety.Congolese officials have reported that at least 773 people have been killed in clashes with Rwanda-backed rebels in and around Goma. The ongoing conflict, which has lasted for over a decade, has now resulted in the city’s capture by insurgents. Authorities have confirmed 773 bodies in morgues and hospitals, along with 2,880 injured individuals. Officials warn that the death toll may continue to rise.What Is M-23- Reason Behind Congo Crisis?

The M23 rebel group, named after the March 23, 2009, peace agreement that ended a previous Tutsi-led uprising in eastern Congo, is the latest in a series of Tutsi-led insurgencies opposing the Congolese government. The group reignited its rebellion in 2022, alleging that the Congolese government failed to honor the peace deal, particularly in integrating Congolese Tutsis into the national army and government structures.

Eyeing Trump and Putin, EU, UK, NATO leaders talk defence

world. EU leaders huddle Monday with Britain's prime minister and the head of NATO to discuss efforts to boost Europe's defences faced with an aggressive Russia -- as Donald Trump demands America's allies spend much more.The gathering in Brussels is billed as a "triple first": the first time the European Union's 27 leaders meet since the US president's inauguration, their first-ever dedicated talks on defence and their first with a British premier since Brexit.European nations have ramped up their military budgets since Russia launched its all-out invasion of Ukraine almost three years ago.But officials concede they are still not arming themselves fast enough as warnings grow that Moscow could attack one of their own in the coming years.Trump's return to the White House has given a fresh jolt to the debate -- with the volatile leader saying Europe can no longer take US protection for granted.Trump insists NATO countries more than double their current defence spending target to five percent of GDP, a goal out of reach for many.He has also vowed to bring a quick end to Russia's war in Ukraine, leaving Europeans fearful he could sideline them and force Kyiv into a bad deal.But it is not just about the spectre of Washington pulling back from Europe -- Trump has rattled US allies with a series of direct threats.Denmark's prime minister -- who made a tour of several capitals last week -- is expected to seek a common line on Trump's insistence that he wants Greenland.And there will certainly be discussions on Trump's pledge to impose tariffs on the EU -- which has vowed to respond "firmly" if targeted.Question of howGiven the looming menace from Russia, there is widespread consensus across Europe on the need to step up on defence.The problem is there is not yet agreement on what exactly that entails."It's very clear for everyone around the table that investment must increase," an EU official said."It is not a question of if, it is a

question of how."Brussels estimates the bloc needs to invest an extra 500 billion euros ($510 billion) on defence over the next decade.Key dividing lines revolve around how to fund the required investment, whether EU cash should be spent only on EU arms, and what role NATO should play.There is also a geographical split, with countries closer to Russia already doing far more than those further to West.Funding is the major question, with a number of member states pushing for massive joint EU borrowing.But Germany -- which faces a fraught election this month -- has tried to shut down discussion of that sensitive topic."The worry is this meeting might become just another box-ticking exercise if we don't discuss the elephant in the room of financing," one EU diplomat said.With no sign of movement on that, EU states have called for the bloc's lending arm, the EIB, to drop limits on lending to defence firms.On weapons, France -- long accused of caring more for its own industry -- insists arms should be bought in the EU.Others counter that countries should look to whoever can supply quickest.Buying from the United States could also be a way to keep Trump on side, they argue.The division of labour with NATO is also in the spotlight as some in the EU say Brussels should be involved in setting targets for what countries require -- a suggestion that has riled NATO.

NEWS BOX

Mumbai spell will give Mohammed Shami confidence for ODI cricket: Parthiv Patel

New Delhi Former India cricketer-turned-commentator Parthiv Patel believes Mohammed Shami's impactful spell in India's fifth T20I victory over England will serve as a major confidence booster ahead of the upcoming ODI series and the Champions Trophy. Shami, returning to the national team after a lengthy injury layoff, marked his comeback with a stellar 3/25 spell in Mumbai on February 3, helping India dismantle England by 150 runs.Shami had gone wicket-less in his first match back during the third T20I in Rajkot, but he bounced back emphatically at the Wankhede Stadium. Speaking to Star Sports post-match, Patel emphasised how this performance could reignite Shami's rhythm in ODI cricket, which will be crucial given India's busy 50-over schedule. With the Champions Trophy just weeks away, the veteran pacer's return to form strengthens India's pace attack at a vital juncture.

IND vs ENG, 5th T20I: Highlights

He (Shami) got his first wickets after 444 days without international cricket. He came and didn't have a good first-over, but you need a bit of luck, obviously. To be out of international cricket for so long, it's not easy, and especially when you're coming in on a very flat wicket, where the opposition are going to go after you because you are chasing 247," Parthiv Patel said."Good that Shami got a couple of wickets. Just to get a couple of wickets will give Shami that confidence for going into 50-over cricket," he added.

In Mumbai, Shami replaced Arshdeep Singh in the playing XI, and the decision proved to be fruitful. His ability to generate movement and exploit England's aggressive intent played a crucial role in India's dominant win. Although his spell was somewhat overshadowed by Abhishek Sharma's blistering 135 off 54 balls—highlighted by a record-breaking 37-ball century—Shami's return to wicket-taking form was one of the biggest positives for India.Shami's experience and skill will be invaluable as he will now join India's ODI squad for the three-match series against England, starting February 6 in Nagpur. The upcoming series will serve as a testing ground for India's combinations ahead of the Champions Trophy, where Shami is already named in the 15-member squad. His ability to lead the pace attack alongside Jasprit Bumrah will be key as India fine-tunes its strategies for the high-stakes tournament.

BCCI announces Rs 5 crore reward for India's Under-19 women's team after World Cup win

The BCCI announced a cash prize of Rs 5 crore for the Indian team after their triumph in the ICC Women's Under 19 World Cup in Malaysia. India beat South Africa by nine wickets in the final to clinch their second consecutive title.

New Delhi The BCCI (Board of Control for Cricket in India) announced a cash prize of Rs 5 crore for India's Under-19 women's team after their World Cup triumph on Sunday, February 2 at Bayuemas Oval, Kuala Lumpur. India hammered South Africa by nine wickets in the final as they successfully defended their title by remaining unbeaten throughout the tournament, winning seven matches in a row.To honour the achievements of young girls, the Indian Cricket Board announced a cash reward for the entire team and the support staff. The board also praised the team for their remarkable performance as they dominated all their opponents to once again stamp their authority as 'world champions' in their age group.

"The Board of Control for Cricket in India (BCCI) extends its heartfelt congratulations to the India Under-19 women's team for successfully defending their title at the ICC Under-19 Women's T20 World Cup 2025 in Malaysia. To honour this remarkable achievement, the BCCI has announced a cash reward of INR 5 crore for the victorious squad and support staff, led by head coach Nooshin Al Khadeer," said BCCI in a statement.Coming back to the match, after opting to bat first, South Africa were rocked by the early dismissals of openers Simone Lourens and Jemma Botha. From there on, there was no comeback for the Proteas women as the Indian spin attack comprising Parunika Sisodia (2/6), Aayushi Shukla (2/9), Vaishnavi Sharma (2/23) and Gongadi Trisha (3/15) ran through their batting order.As a result, they were bundled out for just 82 setting India a modest target to defend their crown. In reply, the Women in Blue started strong with Trisha taking the attack on the South African bowlers.

G Kamalini (8) was the only batter to fall from India as Trisha and Sanika Chalke (26 off 22) guided their team home in just 11.2 overs winning the match by nine wickets. Their efforts helped India women's win their second successive Under-19 crown as they emerged victorious in the 12-team tournament.

Yuvraj Singh was the one who believed in me, it's all because of him: Abhishek Sharma

New Delhi India's young batting sensation Abhishek Sharma credited legendary India all-rounder Yuvraj Singh for shaping his career after his breathtaking century vs England at Wankhede Stadium in Mumbai. Abhishek set the stadium ablaze with his belligerent strokeplay, smashing England bowlers to all corners of the ground.He slammed the second fastest half century in the format for India in just 17 balls and further brought up his hundred off 37 deliveries. Abhishek clobbered 13 maximums, a record for India, along with seven fours, en route to the highest score by an Indian in T20Is (135 off 54 balls).Following his record-shattering innings, Abhishek credited his idol Yuvraj Singh for instilling the belief of playing for the country in him at a very young age and said that he always believed in him."Yuvi Paaji (Yuvraj Singh) was the one who put all these things in my mind three-four years back. He was the one who believed in me, I would say. Obviously, when someone like Yuvraj Singh is telling you that you are going to play for the country and you're going to win the matches. You obviously yourself try to think all these things that okay 'I will play for India and I will do my best'," said Abhishek

in the post-match press conference.Furthermore, Abhishek spoke about his bond with the former India star and revealed that he talks to him after every game.He has played a major role in my cricketing year. As I've told before also, it's all because of him because the way he has treated me in the past and every innings. He's someone who's always there for me, I always talk to him after every game. He's the one guy I've always listened to and I think he knows better than me so I believe that," he added.

India win the series by 4-1

Courtesy of Abhishek's sensational hundred, India posted a massive score of 247/9 in their allotted 20 overs. In reply, England were bundled out for just 97 in 10.3 overs with only Philip Salt putting up some fight with his half century (55 off 23).

Mohammed Shami was the pick of the bowlers for India with figures of 3/25 in 2.3 overs while Varun Chakravarthy (2/25), Shivam Dube (2/11) and Abhishek Sharma (2/3) picked up two wickets each to trigger the England collapse. Abhishek was deservedly adjudged Player of the Match for his century and a couple of wickets, while Chakravarthy took home the Player of the Series award for scalping 14 wickets across five matches.

Gambhir's high praise for Abhishek's century vs England: Haven't seen one like this

New Delhi India head coach Gautam Gambhir lavished praise on Abhishek Sharma following his breathtaking century in the fifth T20I against England in Mumbai on February 2. Gambhir, in awe of the young left-hander's fearless stroke play, called it the best T20I knock he has ever witnessed. What stood out for Gambhir was Abhishek's aggressive intent against England's world-class pace attack, featuring the likes of Jofra Archer and Mark Wood—something he described as daring and unique in modern T20 cricket.Abhishek lit up the Wankhede Stadium with a sensational 135 off just 54 balls, reaching his century in only 37 deliveries. His explosive knock left both England and Indian fans stunned, playing a crucial role in India's commanding 150-run victory. With a daunting 248-run target set, England crumbled under pressure and were dismissed for a mere 97 runs. Speaking to Star

Sports after the match, Gambhir heaped praise on Abhishek's fearlessness, emphasising that very few batters would take on a high-quality pace attack with such audacity while also commending his calculated shot selection."I haven't seen a T20 hundred like this. And against an attack like this where you've got Jofra Archer and Mark Wood bowling at 150 consistently. Yeah, you might see a lot of T20 hundreds in IPL, but the quality of the attack, which was in front of him and for a young boy, I think taking them on from ball one was probably the best," Gambhir said.Interestingly, Abhishek's approach in this innings had a rare moment of restraint. The southpaw, known for his aggressive batting throughout an innings, raced to his fifty in just 17 balls but took another 20 deliveries to reach his century. This slight slowdown was uncharacteristic for Abhishek, who generally goes attacking from the get-go, best shown in his rise since his breakthrough IPL 2024 campaign with Sunrisers Hyderabad.While Abhishek's batting heroics stole the show, he also made an impact with the ball. Chipping in with a handy spell of 2/3, he played a part in dismantling England's 'Bazball' approach, alongside Mohammed Shami, who led the bowling attack with figures of 3/25.

Tata Steel champion Praggnanandhaa jokes about gifting Erigaisi for beating Gukesh

New Delhi Indian chess grandmaster R Praggnanandhaa secured the 2025 Tata Steel Chess Championship in a thrilling finale, overcoming reigning world champion D Gukesh in a sudden-death tiebreaker. However, his path to victory was significantly shaped by fellow Indian grandmaster Arjun Erigaisi, whose crucial win over Gukesh in the final round of classical play forced the title decider.

Acknowledging Erigaisi's role in his triumph, Praggnanandhaa humorously suggested that he owed him a gesture of gratitude. Speaking after the final, Praggnanandhaa reflected on how unexpected Erigaisi's win had been and how it ultimately kept him in contention for the title. He admitted that he had not anticipated the match unfolding in such a way but was grateful for the opportunity to compete in the tiebreaker.

"Should probably by something for Arjun,

yeah? I didn't really expect (Arjun to beat Gukesh). Because at some point felt that Gukesh was actually better. When I saw the result (of Gukesh vs Arjun), I had already misplayed and I was in such a difficult position that I could not really do much than sit and defend. I didn't think practically I had any chance in my own position," Praggnanandhaa said.The tournament's final day saw a dramatic shift in momentum. Praggnanandhaa's defeat to Vincent Keymer in Round 13 had seemingly dented his title hopes, while Gukesh needed only a draw against Erigaisi to secure the championship. However, Erigaisi played fearlessly, handing Gukesh a defeat and ensuring that both he and Praggnanandhaa finished with 8.5 points each, leading to the tiebreak showdown.Yeah, for sure. When I came here, I wanted to win the event. But the field was very strong. I didn't really think about it much until yesterday. Can't really express it... I'm really happy," Praggnanandhaa added.The two-game blitz tiebreaker began with Gukesh drawing first blood, winning the first game with the white pieces.

India's T20I domination over England shows Gambhir needs transition in Test cricket

New Delhi We don't want to fear losing a game. We want to get to a total of 250-260, and at times we will get bowled out for 120, but we are on the right track. We are going to do this going forward, got to play fearless cricket. We want to keep backing players like Abhishek Sharma. We have to be patient with these boys, it's important to keep backing them. Most of these boys believe in the ideology of playing fearless cricket."This was the message from Gautam Gambhir right after India trounced England at the Wankhede stadium to win the series 4-1. Gambhir certainly has seen his magic work when it comes to T20 cricket as his approach and mantra have worked wonders. First, it was with KKR as they ended a title drought and won the IPL title. Then he was handed the reins of the Indian team in all 3 formats. What has followed since that, hasn't been the best of times for the former opener.

His ODI side failed against Sri Lanka and then the Test team side lost 0-3 to New Zealand at home and 1-3 to Australia in the Border-Gavaskar Trophy. The noise certainly amped up after the losses in the longest format of the game. But one place Gambhir was able to get success was the T20I format, as the Indian

team have looked unstoppable since their T20 World Cup win.The main reason for this has been the transition that has taken place, which Gambhir needs in Tests as well.

The T20I side is almost unrecognisable yet deliversIf you look at the team that won the T20 World Cup and the one that played the match at the Wankhede, it's almost unrecognisable. There is no Rohit Sharma and Virat Kohli at the top and Ravindra Jadeja to be the bowling all-rounder in the side.Kohli and Rohit have been replaced by Abhishek Sharma and Sanju Samson at the top with Yashasvi Jaiswal waiting in the wings. The spin attack has vastly improved, with Varun Chakaravarthy, Ravi Bishnoi and Axar Patel doing the job that Jadeja did for many years.Obviously, the likes of Jasprit Bumrah will come straight into the side during big tournaments, but Arshdeep Singh has shown that he can be the leader of the pace attack.

In all these areas, India have been able to phase out the seniors with young blood. But it's not just about youth.

Adapting to the mantra

Whenever a new system comes into place, for it to work, you need the right players. Having someone like KL Rahul, who is known to take his time at the start, may not yield the same result as having a fearless Abhishek go off from ball one.

Manchester United's Ruben Amorim calls Lisandro Martinez injury 'serious situation'

Ruben Amorim expressed concern over Lisandro Martinez's injury, calling it serious, as Manchester United's defensive depth faces a major challenge following the centre-back's stretchered exit in their 2-0 defeat to Crystal Palace.

New Delhi Manchester United manager Ruben Amorim expressed significant concern over the injury sustained by his centre-back, Lisandro Martinez, during the club's 2-0 defeat to Crystal Palace on February 2. The injury occurred in the 76th minute of the Premier League clash when Martinez was stretchered off the field following a heavy on-ball challenge with Palace winger Ismaila Sarr. The injury has raised concerns that the Argentine may be facing another extended spell on the sidelines, adding to United's growing injury woes.The defeat, which saw Jean-Philippe Mateta score a brace for Palace, further highlighted the Red Devils' ongoing struggles with consistency. However, the injury to Martinez took centre stage, casting a dark shadow over the team's already fragile defence. Speaking after the match, Amorim was clearly shaken by the injury, calling it a "serious situation" and stressing that it could be a significant blow to United's defensive depth.We are going to see in the next days but I think it is a serious situation. He is not only a great player but a strong character in the dressing room. He felt it and when you are a player, you know when it is something serious," Amorim said.Martinez had previously endured a lengthy absence in his first season with United in 2022, spending almost a full year on the sidelines due to a metatarsal injury. This has only heightened the anxiety surrounding the current injury, with concerns that the centre-back might face a similarly lengthy period of recovery.

The manager now faces the task of finding a suitable replacement for the Argentine in the starting lineup, with Mathijs De Ligt coming on as his substitute against Palace. De Ligt will now be one of the prime candidates to partner with Harry Maguire in central defense, alongside Lenny Yoro, should Martinez be sidelined for an extended period, or in the worst-case scenario, the remainder of the season.The potential loss of Martinez, coupled with United's current form, leaves Amorim with plenty to think about as he looks to steady the ship amid mounting concerns for both the defense and the overall team performance.

Uorfi Javed

SLAMS Ashneer Grover Over Salman Khan Comment

Ashneer Grover reignites his feud with Salman Khan, challenging Khan's claim of not knowing him. Uorfi Javed also commented on the drama in a viral video.

'Ab Yeh Unke Samne Bolke Dikha'

Former Shark Tank India judge Ashneer Grover is back in the spotlight, and this time, it's for taking another dig at Salman Khan. This comes just months after their dramatic encounter on Bigg Boss 18 Weekend Ka Vaar in November 2024, where Khan had called out Grover for his previous remarks about him. Despite apologising to Salman, Grover seems to have found another opportunity to slam the actor, claiming that Salman has taken a "faltu panga" with him.

The drama doesn't end there! Uorfi Javed, never one to stay silent, couldn't resist commenting on Grover's viral video. She took to her Instagram story, writing, "Bas ab ye Salman k samne bol k dikha! This guy Salman's competition?"

related stories

A video that has gone viral on social media shows Ashneer Grover addressing students at NIT Kurukshetra. He called out Salman Khan for saying that he didn't even know his name. The video shows Ashneer saying, "Faltu ka panga leke apna competition khada kiya usne. Main toh shanti se gaya tha jab mereko bulaya. Ab drama create karna ke liye aap kisiko bol do, arey main toh aapse mila hi nahi. I don't even know your name. Abey naam nahi jaanta toh bulaaya kyun tha? (He created unnecessary competition by picking a fight. I had gone peacefully when I was called. And now, to create drama, he's telling everyone, 'Oh, I never even met you. I don't even know your name.' If you didn't know my name, then why did you call me?)."

Ashneer Grover Challenges Salman Khan's Claim Of Never Having Met Before

On Bigg Boss 18, Salman Khan mentioned that he never met Ashneer Grover before. Denying this claim, Ashneer said, "Aur ek baat main bata deta hun. Tum agar meri company ke brand ambassador the toh aisa nahi ho sakta ki tum merese bina mile brand ambassador ban gaye. Mai bhi kamino ki tarah hi company chalata tha.

Everything had to go through me." (And let me tell you one more thing. If you are the brand ambassador of my company, it wouldn't have been possible for you to become the brand ambassador without meeting me. I ran my company like a ruthless person. Everything had to go through me)."

Sanjay Dutt Drops Unseen Pics On 'Bhidu' Jackie Shroff's Birthday, Says 'Stay The Rockstar You Are

Jackie Shroff celebrated his birthday on February 1 and received wishes from all corners. Sanjay Dutt also took to his social handle and shared unseen photos with the actor to wish him on his birthday. Both actors will share screen space in the upcoming comedy, Housefull 5.

Taking to his X handle, Sanjay Dutt shared photos of both posing for the camera. "Happy Birthday, Bhidu! @apnabhidu Stay the rockstar you are!" Ayesha Shroff, the wife of veteran actor Jackie Shroff, also shared a heartfelt post for her husband on his 68th birthday. The pictures from over the years are a reflection of the couple's journey, which Ayesha said was filled with "ups and downs".

or the cover photo, Ayesha chose a hidden gem from her archives featuring the young couple from their early days together. The next image had Jackie posing in a garden, which appeared to be decorated for Christmas. In the next few slides, there was a clip from one of their films, along with solo shots of Jackie and photos with family members. In one of the pictures, their kids Krishna and Tiger Shroff were seen planting a kiss on their father's cheek. A few sweet videos showed tender moments between Jackie and his children. A never-before-seen photo from their wedding was also included, adding warmth to the birthday tribute.

In her caption, Ayesha Shroff wrote, "Happppppppiest birthday jaggggguuuu!!! what can I even begin to say about you!! Have grown up with you and seen life through all the ups and downs!! And through it all have seen you collect the love, respect and goodwill of all you touch with your kindness But above all of that, you are without a doubt the best father in the world!!! Jackie Shroff."

Jackie Shroff's daughter Krishna Shroff also posted a touching birthday post for the actor. Sharing a glimpse from a father-daughter photoshoot on Instagram stories, Krishna wrote, "Happiest of days to my everything."

Rasha Thadani Dances Wins Over Fans As She Dances To Tauba Tauba, Vicky Kaushal REACTS

Rasha Thadani danced with choreographer Bosco Martis to Vicky Kaushal's hit song Tauba Tauba. Rasha, daughter of Raveena Tandon, will debut in Azaad. Vicky's next film, Chhaava, releases February 14.

Vicky Kaushal's Tauba Tauba became a massive hit, and now Rasha Thadani's Uyi Amma has also won over fans. Adding to the buzz, Rasha recently danced with choreographer Bosco Martis to Tauba Tauba.

Sharing a video on Instagram, Rasha was seen grooving to the song before Bosco joined her. The two performed the hook step, with more dancers later joining in. The clip ended with them doing some fun, goofy moves. Rasha captioned the post, "With the man himself @boscomartis !!!!" She further shared, "Meeting him for the first time on the sets of Birangay, to then grooving on Tauba Tauba, and then finally shooting for Uyi Amma (red heart and collision emojis)) complete genius Bosco sir, thankyou (folded hands emoji) #bondedforlife Edited by @viragdubal."

Vicky Kaushal reacted to the post, saying, "Ab Bosco Sir mujhse Uyi Amma na karva de (I hope Bosco Sir doesn't make me dance to Uyi Amma)! Too smooth Rasha… keep shining!" while Bosco responded with laughter, "Hahahahahha." Rasha replied to Vicky with a red heart and folded hands emoji.

Interestingly, Bosco Martis has choreographed both Uyi Amma from Azaad and Tauba Tauba from Bad Newz. Rasha, daughter of Raveena Tandon and Anil Thadani, will make her Bollywood debut with Azaad. Directed by Abhishek Kapoor, the film stars Ajay Devgn and Aaman Devgan and explores themes of freedom and self-discovery. Featuring an impressive ensemble cast, including Ajay Devgn, Diana Penty, Mohit Malik, and Piyush Mishra, the film was backed by Ronnie Screwvala and Pragya Kapoor, with Abhishek Nayyar and Abhishek Kapoor co-producing the project.

Kajol

Lauds Karnataka Government's Circular To Facilitate 'Right To Die With Dignity'

Kajol praised the Karnataka government for approving the right to die with dignity for the terminally ill, linking it to her film 'Salaam Venky'. She also shared a family picture on Instagram.

Bollywood actress Kajol, who was recently seen in the streaming movie 'Do Patti', is lauding the Karnataka government after it approved the right to die with dignity to those in dire need. The actress took to the Stories section of her Instagram, and shared the paper-cutting of the historic move. The media report read, "Karnataka government allows 'right to die with dignity' for terminally ill #righttodiewithdignity #salaamvenky".

The actress linked it to the message of her film 'Salaam Venky' which told the story of its titular character legally fighting the system to be allowed to take up the route of dignified death.

Earlier, the actress had shared a heartwarming picture in which she can be seen with her son and their furry friend. She took to her Instagram, and shared a picture in which she can be seen being embraced by her song Yug Devgn while she holds their dog. She wrote in the caption, "Four arms, four paws and one giant hug .. happy 2nd birthday to my doggy baby".

Kajol and Ajay Devgn tied the knot on February 24, 1999 in a traditional Maharashtrian ceremony at Ajay's house in Mumbai. The wedding was subject to wide media scrutiny, as certain members of the media criticised Kajol's decision to settle down at the pinnacle of her career. Kajol, however, maintained that she would not quit films, but would cut down on the amount of work that she did. The actress gave birth to their daughter, Nysa, on April 20, 2003. The couple welcomed their son on September 13, 2010. Meanwhile, Ajay celebrated 27 years of his film 'Ishq' with Kajol last year. The actor declared his love for his wife in a unique way as he took to his Instagram, and celebrated the film's anniversary.

Ajay posted a heartwarming collage of 2 pictures, one featured the couple from the sets of 'Ishq' while the other was from their home. Sharing the picture, the 'Singham Again' star wrote, "27 Years Of Ishq And ISHQ". Meanwhile, on the work front, while Ajay was recently seen in the blockbuster movie 'Singham Again' alongside an illustrious starcast of Bollywood biggies, Kajol essayed the role of a cop in 'Do Patti' which marked the debut of the National Award-winning actress Kriti Sanon as the producer.